



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 18—मार्च 24, 2006 (फाल्गुन 27, 1927)

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 18—MARCH 24, 2006 (PHALGUNA 27, 1927)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ सं.	भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ सं.
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	221	भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और अधिसूचनाएं	*
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	235	भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	745
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	115
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	341	भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	323
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	321
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण	*
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं।	*		

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	Page No. 221	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	Page No. *
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	235	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	745
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	341	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	115
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	323
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	321
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]
 [Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2006

संख्या 22-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "परम विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-16289 लेफ्टिनेंट जनरल भूपेन्द्र सिंह, अ.वि.से.मे., वि. से. मे., इन्फैंट्री
2. आईसी-16309 लेफ्टिनेंट जनरल ट्रेवर अलोयस्यूस डीकून्हा, सेना आयुध कोर
3. आईसी-16338 लेफ्टिनेंट जनरल विजय कुमार चोपड़ा, वि.से.मे.*, तोपखाना
4. आईसी-16650 लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, से.मे., इंजीनियर्स
5. आईसी-16900 लेफ्टिनेंट जनरल अरविन्द शर्मा, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., इन्फैंट्री
6. आईसी-17206 लेफ्टिनेंट जनरल अनूप सिंह जमवाल, अ.वि.से.मे.*, वि.से.मे., तोपखाना
7. आईसी-17210 लेफ्टिनेंट जनरल एस पट्टाभिरामन, अ.वि.से.मे, से.मे., वि.से.मे., इंजीनियर्स
8. आईसी-17214 लेफ्टिनेंट जनरल मानिकत गोविन्दन गिरीश, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स
9. आईसी-17279 लेफ्टिनेंट जनरल चरणजीत सिंह, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., तोपखाना
10. आईसी-17280 लेफ्टिनेंट जनरल वीर चन्द जैन, अ.वि.से.मे., वि.से.मे.*, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स
11. आईसी-17291 लेफ्टिनेंट जनरल रविन्द्र नाथ कपूर, अ.वि.से.मे.*, इन्फैंट्री
12. आईसी-17327 लेफ्टिनेंट जनरल गुरदितार सिंह, अ.वि.से.मे., कवचित कोर

13. आईसी-17594 लेफ्टिनेंट जनरल देवराज सिंह, अ.वि.से.मे., इन्फैंट्री
14. आईसी-17615 लेफ्टिनेंट जनरल मोहन चन्द्र भंडारी, अ.वि.से.मे.*, इन्फैंट्री
15. आईसी-17640 लेफ्टिनेंट जनरल कमल कृष्णा खन्ना, अ.वि.से.मे.*, इन्फैंट्री
16. आईसी-17674 लेफ्टिनेंट जनरल अरुण कुमार चोपड़ा, अ.वि.से.मे., इन्फैंट्री
17. आईसी-17733 लेफ्टिनेंट जनरल मदन गोपाल, अ.वि.से.मे.*, इन्फैंट्री
18. एम आर-02068 लेफ्टिनेंट जनरल मदन लाल चावला, वि.से.मे., सेना चिकित्सा कोर
19. एम आर-02064 लेफ्टिनेंट जनरल रामजी राय, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., सेना चिकित्सा कोर (सेवानिवृत्त)
20. वाइस एडमिरल दतला साई प्रसाद वर्मा, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., (50199-एन)
21. वाइस एडमिरल संग्राम सिंह बैस, अ.वि.से.मे., नौ.मे., (00883-एफ)
22. वाइस एडमिरल अरुण कुमार सिंह, अ.वि.से.मे., नौ.मे., (00876-आर)
23. वाइस एडमिरल विजय स्वरूप माथुर, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., (60147-वाई)
24. एयर मार्शल अविनाश देओदत्ता जोशी, वा.मे. (10886) फ्लाईंग (पायलट)
25. एयर मार्शल फली होमी मेजर, अ.वि.से.मे., शौर्य चक्र. वा.मे. (11442) फ्लाईंग (पायलट)
26. एयर मार्शल (श्रीमती) पद्मा बन्दोपाध्याय, अ.वि.से.मे., वि.से.मे. (11528) चिकित्सा
27. एयर मार्शल अवधेश कुमार सिंह, अ.वि.से.मे., वा.मे., वि.से.मे., (11005) फ्लाईंग (पायलट)
28. एयर मार्शल जसपाल सिंह गुजराल, वा.मे., वि.से.मे., (11300) फ्लाईंग (पायलट)
29. एयर मार्शल शरद यशवन्त सव्वूर, अ.वि.से.मे. (10525) फ्लाईंग (पायलट)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 23-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल-बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-17565 लेफ्टिनेंट जनरल आदित्य सिंह, अ.वि.से.मे., कवचित कोर
2. आईसी-28805 लेफ्टिनेंट जनरल कुलवंत सिंह डोगरा, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., सेना वायु रक्षा

बरुण मित्रा
निदेशक

✓ संख्या 24-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-17622 लेफ्टिनेंट जनरल दीपक कपूर, से.मे., वि.से.मे., तोपखाना
2. आईसी-19396 लेफ्टिनेंट जनरल दीपक हरीशचन्द्र सुम्ननवार, उ.यु.से.मे., वि.से.मे., इन्फैंट्री
3. एमआर-02250 लेफ्टिनेंट जनरल मुदक्कानावेतिल प्रभाकरन जयप्रकाश, सेना चिकित्सा कोर/मुख्यालय पश्चिम कमान
4. आईसी-17582 मेजर जनरल सुभाष चन्द्र गोगना, इंजीनियर्स
5. आईसी-19387 मेजर जनरल शिव कुमार जसवाल, इंजीनियर्स/मुख्यालय 10 कोर
6. आईसी-19478 मेजर जनरल गुलशन कुमार निष्चल, वि.से.मे., सिग्नल/मुख्यालय एम बी एरिया (सेवानिवृत्त)
7. आईसी-19983 मेजर जनरल दीपक आनन्द, वि.से.मे., इन्फैंट्री/मुख्यालय पश्चिम कमान
8. आईसी-23292 मेजर जनरल दर्शनजीत सिंह ग्रेवाल, मैकनाइज़्ड इन्फैंट्री/मुख्यालय दक्षिण कमान
9. आईसी-23376 मेजर जनरल अशोक खोसला, सिग्नल
- ✓ 10. आईसी-23431 मेजर जनरल भीषम देव वाधवा, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स
11. आईसी-23486 मेजर जनरल हरजोत सिंह सहगल, तोपखाना
12. आईसी-23799 मेजर जनरल विरेन्द्रा कुमार जैन, तोपखाना

13. आईसी-23872 मेजर जनरल परमेश्वरन पिल्लै राजगोपाल, वि.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 3 इन्फैंट्री डिवीजन
14. आईसी-24173 मेजर जनरल विजय कुमार सिंह, यु.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय सी आई एफ (वी)
15. आईसी-24178 मेजर जनरल प्रबोध चन्द्र भारद्वाज, वीर चक्र, शौर्य चक्र, वि.से.मे.
इन्फैंट्री
16. आईसी-24186 मेजर जनरल जगज्जीत सिंह माहिल,
सेना वायु रक्षा/मुख्यालय दक्षिण कमान
17. आईसी-24208 मेजर जनरल अमरजीत सिंह शेखों, युद्ध सेवा पदक,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 25 इन्फैंट्री डिवीजन
18. आईसी-24568 मेजर जनरल महावीर सिंह बल्हारा, कीर्ति चक्र, सेना मेडल,
इन्फैंट्री/मुख्यालय सी आई एफ (के)
19. आईसी-24584 मेजर जनरल बलजीत सिंह जसवाल, वि.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 10 इन्फैंट्री डिवीजन
20. आईसी-24611 मेजर जनरल अवधेश प्रकाश, वि.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 17 माउंटेन डिवीजन
21. आईसी-25066 मेजर जनरल अरविन्द्र सिंह लाम्बा,
तोपखाना/मुख्यालय 16 इन्फैंट्री डिवीजन
22. आईसी-25148 मेजर जनरल अनुकूल चन्द्र,
इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स/मुख्यालय उत्तरी कमान
23. आईसी-25156 मेजर जनरल जसविन्द्र पाल सिंह,
कवचित कोर/मुख्यालय 31 आर्मड डिवीजन
24. आईसी-25213 मेजर जनरल मुकेश सभ्रवाल, वि.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 28 इन्फैंट्री डिवीजन
25. आईसी-25469 मेजर जनरल करन सिंह यादवा, से.मे., वि.से.मे.,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 21 माउंटेन डिवीजन

26. आईसी-25647 मेजर जनरल भूपिन्दर सिंह घोत्रा, से.मे., वि.से.मे.
इन्फैंट्री/मुख्यालय आई जी ए आर (एस)
27. आईसी-29915 मेजर जनरल विनोद चोपड़ा,
इन्फैंट्री/मुख्यालय 39 माउंटेन डिवीजन
28. आईसी-32703 मेजर जनरल कृष्ण पिल्लै शंकरनारायणा पिल्लै वेणुगोपाल,
इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग
29. एमआर-02669 मेजर जनरल जयाकृष्णन जयाराम, सेना चिकित्सा कोर
30. एमआर-03355 मेजर जनरल बी. के. महान्ती,
सेना चिकित्सा कोर/मुख्यालय उत्तरी कमान
31. वी-00292 मेजर जनरल ब्रिह्म पाल सिंह पंवर, से.मे., आर वी सी (सेवानिवृत्त)
32. आईसी-17595 मेजर जनरल अरुण राय, वि.से.मे., इन्फैंट्री
33. आईसी-24753 ब्रिगेडियर देश दीपक कपूर, वि.से.मे., तोपखाना
34. रियर एडमिरल संजीव भसीन, वि.से.मे., (01248-के)
35. रियर एडमिरल अनूप सिंह, नौ.मे. (01424-के)
36. रियर एडमिरल शंकरन नायर बालचन्द्रन, वि.से.मे., (50295-एफ)
37. रियर एडमिरल सतीश सोनी, नौ.मे., (01683-जेड)
38. कमोडोर अजय कुमार पटनायक, वि.से.मे., (01188-जेड)
39. कमोडोर ताडेपल्ली हरी राम, वि.से.मे., (01506-वाई), (सेवानिवृत्त)
40. कैप्टन एस. पी. एस. चीमा, नौ.मे., (01704-वाई)
41. एयर वाइस मार्शल विनोद कुमार वर्मा, वा.मे., वि.से.मे., (11638), फ्लाईंग (पायलट)
42. एयर वाइस मार्शल ज्योति नारायण वर्मा, वि.से.मे. (13219), प्रशासन
43. एयर वाइस मार्शल नरेश वर्मा, वि.से.मे., (13235), प्रशासन
44. एयर कमोडोर राकेश यादव, वि.से.मे., (12809), वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

45. एयर कमोडोर केशवा मूरती रामा सुन्दरा वि.से.मे., (12833),
वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
46. एयर कमोडोर रबीन चन्द्र बरूआ (13156), फ्लाईंग (पायलट)
47. एयर कमोडोर विकास कृष्णराव यजुर्वेदी, वा.मे., (13248), फ्लाईंग (पायलट)
48. एयर कमोडोर राम कृष्ण गंजू, वि.से.मे., (13362), चिकित्सा
49. एयर कमोडोर ललित कुमार मल्होत्रा, वि.से.मे., (13373), फ्लाईंग (पायलट)
50. एयर कमोडोर सतीश पाल सिंह, वा.मे., (13770), फ्लाईंग (पायलट)
51. एयर कमोडोर मलविन्दर सिंह आहलूवालिया, (13809), फ्लाईंग (पायलट)
52. एयर कमोडोर संजीव बोर्दोलाई, (13912), फ्लाईंग (पायलट)

//
बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 25-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल-बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-32482 मेजर जनरल जसपोल सिंह, से.मे., वि.से.मे.,
इंटेलीजेंस/मुख्यालय इंट एंड एफ एस ग्रुप
2. आईसी-25912 ब्रिगेडियर सुरेश नायर वासुदेवन, से.मे., वि.से.मे.,
मराठा लाइट इन्फैंट्री/मुख्यालय उत्तरी कमान
3. आईसी-27264 ब्रिगेडियर अविनाश चन्द्र सोनेजा, वि.से.मे.,
जम्मू-कश्मीर राइफल/मुख्यालय 71 सब-एरिया
4. आईसी-34019 ब्रिगेडियर दीपेन्द्र सिंह हुड्डा, वि.से.मे.,
4 गोरखा राइफल/मुख्यालय 12 इन्फैंट्री ब्रिगेड
5. एमआर-02958 ब्रिगेडियर ब्रिज मोहन नागपाल, वि.से.मे.,
सेना चिकित्सा कोर/मुख्यालय 14 कोर
6. डीआर-10298 ब्रिगेडियर विमल अरोड़ा, वि.से.मे.,
आर्मी डेंटल कोर/मिलिट्री डेंटल सेंटर उत्तरी कमान

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 26-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-19860 मेजर जनरल मनघाता सिंह, युद्ध सेवा मेडल, इन्फैंट्री/मुख्यालय 16 कोर
2. आईसी-23689 मेजर जनरल नरिन्दर सिंह बरार, तोपखाना/मुख्यालय 14 कोर
3. आईसी-25053 मेजर जनरल दलीप भारद्वाज, कवचित कोर/मुख्यालय 23 इन्फैंट्री डिवीजन
4. आईसी-25064 मेजर जनरल श्रीधरन श्याम कुमार, से.मे., इन्फैंट्री/मुख्यालय आई जी ए आर (एन)
5. आईसी-25439 मेजर जनरल विनय शर्मा, से.मे., इन्फैंट्री/ मुख्यालय 26 इन्फैंट्री डिवीजन
6. आईसी-25825 मेजर जनरल चितेन्द्र सिंह, कवचित कोर
7. एमआर-03267 मेजर जनरल अनाथ बन्धु चटोपाध्याय, सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल (उत्तरी कमान)
8. आईसी-24188 ब्रिगेडियर श्रीनिवास कृष्णा अम्बिके, तोपखाना (सेवानिवृत्त)
9. आईसी-25409 ब्रिगेडियर सुजॉन गोपाल चैटर्जी, तोपखाना/मुख्यालय 107 माउंटेन ब्रिगेड
10. आईसी-25478 ब्रिगेडियर कांतामनेनी बबय्या, इंजीनियर्स/बी ई जी एंड सेंटर किर्की
11. आईसी-25876 ब्रिगेडियर देविन्दर सिंह, सिग्नल,
12. आईसी-27016 ब्रिगेडियर विलफ्रेड प्रेम दास, सेना आयुध कोर/मुख्यालय सी आई सी पी
13. आईसी-30176 ब्रिगेडियर रघुविन्दर कपूर, शौर्य चक्र, 4 गौरखा राइफल/मुख्यालय 5 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
14. आईसी-30392 ब्रिगेडियर रविकिरण प्रभाकर दास्ताने, तोपखाना/मुख्यालय 121(आई) बी डी ई ग्रुप
15. आईसी-30701 ब्रिगेडियर अभय त्रिविक्रम पर्नायक, इंजीनियर्स/मुख्यालय 2 कोर

16. आईसी-30706 ब्रिगेडियर रणवीर यादव, कुमाऊं/मुख्यालय 52 इन्फैंट्री ब्रिगेड
17. आईसी-30819 ब्रिगेडियर दलजीत कुमार जमवाल, सिख/मुख्यालय 56 माउंटेन ब्रिगेड
18. आईसी-31062 ब्रिगेडियर शिशीर हरी महाजन,
मराठा लाइट इन्फैंट्री/मुख्यालय 11 माउंटेन ब्रिगेड
19. आईसी-31336 ब्रिगेडियर जोग सुनील सदानन्द,
5 गोरखा राइफल/मुख्यालय 104 इन्फैंट्री ब्रिगेड
20. आईसी-32765 ब्रिगेडियर जगबीर सिंह ग्रेवाल, पंजाब रेजिमेंट/मुख्यालय उत्तरी कमान
21. आईसी-33101 ब्रिगेडियर पूरन सिंह बोरा, आसूचना
22. आईसी-33431 ब्रिगेडियर हरिन्द्र पाल सिंह बेदी,
जम्मू-कश्मीर राइफल/मुख्यालय 102 इन्फैंट्री ब्रिगेड
23. आईसी-33765 ब्रिगेडियर अशोक कुमार जोशी,
जे ए जी डिपार्टमेंट/मुख्यालय पश्चिमी कमान
24. आईसी-33903 ब्रिगेडियर गुरपाल सिंह बल, कवचित कोर/मुख्यालय 94 कवचित ब्रिगेड
25. एमआर-03488 ब्रिगेडियर सुरेश चन्द्र, सेना चिकित्सा कोर
26. एमआर-03661 ब्रिगेडियर कल्याण कान्ती दत्तागुप्ता,
सेना चिकित्सा कोर/92 बेस अस्पताल
27. डीआर-10290 ब्रिगेडियर हेरम्ब गोविन्द गर्ग, सेना डेन्टल कोर
28. एसएल-02693 ब्रिगेडियर सूरज भान चैल, जनरल सर्विस
29. आईसी-30362 कर्नल ए. के. सिंह, इंजीनियर्स/सीई ए एण्ड एन जोन
30. आईसी-31466 कर्नल नारायण मूर्ती शंकर, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर
31. आईसी-31670 कर्नल रामकृष्णन पिल्लै सत्यन, नागा रेजिमेंट
32. आईसी-34382 कर्नल तेज पाल सिंह वारैच, कवचित कोर/मुख्यालय ए एन सी
33. आईसी-35255 कर्नल कंवर कृष्ण बादाम, सेना वायु रक्षा
34. आईसी-35904 कर्नल शरत चन्द, गढ़वाल राइफल
35. आईसी-35944 कर्नल प्रेम सागर, तोपखाना
36. आईसी-37543 कर्नल दिलबाग सिंह संधू, कवचित कोर
37. आईसी-37553 कर्नल सुभाशीष सेनगुप्ता, 5 गोरखा राइफल (फ्रन्टियर फोर्स)
38. आईसी-37755 कर्नल अरुल डेनिस, 1 नागा रेजिमेंट

39. आईसी-38203 कर्नल संजीव कुमार अरगल, इंजीनियर्स
40. आईसी-38711 कर्नल विनोद कुमार, मैकेनाज्ड इन्फैंट्री/मुख्यालय ए एन सी
41. आईसी-39436 कर्नल सतिन्द्र कुमार सैनी, युद्ध सेवा मेडल, जाट रेजिमेंट
42. आईसी-40664 कर्नल सर्व दीप सिंह, इंजीनियर्स/मुख्यालय आई डी एस
43. आईसी-40943 कर्नल राम चन्द्र छिल्लर, से.मे., आसूचना
44. आईसी-41456 कर्नल राकेश कुमार आनन्द, 21 सिग्नल ग्रुप
45. आईसी-41717 कर्नल प्रदीप सिंह बैस, 1 गोरखा राइफल/15 राष्ट्रीय राइफल
46. आईसी-41885 कर्नल यू सुरेश कुमार, पंजाब रेजिमेंट/ 37 राष्ट्रीय राइफल
47. आईसी-41959 कर्नल सर्बजीत सिंह दयूसी, 18 मराठा लाइट इन्फैंट्री
48. आईसी-43295 कर्नल रविन खोसला, 5/5 गोरखा राइफल (फ्रंटियर फोर्स)
49. आईसी-43370 कर्नल जोनसन पी मैथ्यु, 24 पंजाब रेजिमेंट
50. आईसी-43954 कर्नल सतीश कुमार सांगवान, मद्रास रेजिमेंट/33 असम राइफल
51. आईसी-44516 कर्नल एस एस रंधावा, सेना सेवा कोर
52. आईसी-45447 कर्नल रघुपति बालासुब्रमणियन, जे ए जी डिमार्टमेंट
53. एमआर-03909 कर्नल लेख राम शर्मा, सेना चिकित्सा कोर/बेस अस्पताल दिल्ली कैंट
54. एमआर-03921 कर्नल हरिहरपुर रामचन्द्र अरविन्द प्रभु,
सेना चिकित्सा कोर/बेस अस्पताल दिल्ली कैंट
55. एमआर-04361 कर्नल शैलेश रोहतगी,
सेना चिकित्सा कोर,/कमान अस्पताल (पश्चिमी कमान)
56. आईसी-40740 लेफ्टिनेंट कर्नल भगत राम हुड्डा, से.मे., आसूचना
57. आईसी-42417 लेफ्टिनेंट कर्नल तपस कुमार चटर्जी, आसूचना
58. आईसी-42947 लेफ्टिनेंट कर्नल सुरेश सिंह, सेना आयुध कोर/मुख्यालय ए एन सी
59. आईसी-45310 लेफ्टिनेंट कर्नल विजेन्द्र कुमार राठौर, से.मे.,
आसूचना/237 इंट एण्ड एफ एस यूनिट
60. आईसी-47581 लेफ्टिनेंट कर्नल चरण प्रीत सिंह पस्रीचा
इंजीनियर्स/8 (आई) फील्ड कम्पनी
61. आईसी-47797 लेफ्टिनेंट कर्नल अनिल कुमार गिरी, सिग्नल/मुख्यालय आईडीएस

62. आईसी-49366 लेफ्टिनेंट कर्नल जे. एस. गुराया,
इंजीनियर्स/एमईजी एण्ड सेंटर बेंगलूर
63. एमआर-03887 लेफ्टिनेंट कर्नल मन्जीत सिंह चहल,
सेना चिकित्सा कोर/92 बेस अस्पताल
64. एमआर-03989 लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कालरा,
सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल, मुख्यालय दक्षिणी कमान
65. एमआर-04796 लेफ्टिनेंट कर्नल आँकार प्रसाद गर्ग,
सेना चिकित्सा कोर/92 बेस अस्पताल
66. एमआर-05690 लेफ्टिनेंट कर्नल सुब्राता भादुडी, सेना चिकित्सा कोर/419 फील्ड एंबुलेंस
67. आईसी-50688 मेजर अजय सिंह चौंकर, 111 इंजीनियर्स रेजिमेंट
68. आईसी-52871 मेजर सौरभ सिंह शेखावत, शौर्य चक्र, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
69. आईसी-55399 मेजर राजेश पट्टू, कविचत कोर/61 कैवलरी
70. आईसी-57095 मेजर गिरीश कुमार, 203 इंजीनियर रेजिमेंट
71. एमएस-14128 मेजर स्वाधीन मेनारिया, सेना चिकित्सा कोर/सेना अस्पताल जोधपुर
72. वी-000457 मेजर दीप कुमार अहलावत,
रिमाउंट एण्ड वेटरीनरी कोर/आरटीएस एण्ड डिपो
73. डब्ल्यू एस-00639 कैप्टन सिपरा मजुमदार, इंजीनियर/अफसर प्रशिक्षण अकादमी
74. डब्ल्यू एस-00697 कैप्टन अश्विनी ए. एस पवार, सेना आयुध कोर/आयुध डिपो इलाहाबाद
75. जेसी-429456 सूबेदार सुरजीत सिंह, 9 पंजाब
76. जेसी-459202 नायब सूबेदार महारनूर उमाजी विठोबा, 18 मराठा लाइट इन्फैंट्री
77. 9419092 हवलदार तोपगे भूटिया, 3/11 गोरखा राइफल
78. 15571418 हवलदार रोबिन हंसदा, इंजीनियर्स/बीईजी एण्ड सी, किर्की
79. 15574334 हवलदार गौतम सिंह, इंजीनियर्स/बीईजी एण्ड सी, किर्की
80. कमोडोर जॉन अब्राहाम कुरिसुन्कल, (40494-एफ)
81. कमोडोर विनीत बख्सी (40612-जेड)
82. कमोडोर रमन प्रभात, (50456-वाई)
83. कमोडोर प्रकाश सांगलीकर, (40630-आर)
84. कमोडोर वेंकट शंकर, (01725-डब्ल्यू)

85. कमोडोर विवेक शील बत्रा, (60290-वाई)
86. कमोडोर मोहन गिडवानी, (60307-के)
87. कमोडोर पी. के. एस. श्रीवास्तव, (40734-ए)
88. कमोडोर के. वी. आर. वारीयर, (40417-एफ) (सेवानिवृत्त)
89. कैप्टन एच एस भक्त वात्सला, (70208-एन)
90. कैप्टन अजित कुमार पी , (02275-डब्ल्यू)
91. कैप्टन अतुल कुमार सिन्हा, (02615-टी)
92. सर्जन कैप्टन अरुण मेहता, (79034-वाई)
93. कैप्टन (टी एस) अभय कुमार लांभाटे, (01850-बी)
94. कैप्टन कमल कुमार उप्पल, (02091-ए)
95. कैप्टन (डब्ल्यू एच ए) सूरज बैरी, (03101-वाई)
96. कमांडर वी के मधुसूदनन, (02963-एच)
97. कमांडर (एस डी एम) एस गिरीश कुमार, (89768-टी)
98. संत कुमार, एमसीपीओ II सीडी I, 109515-जेड
99. एयर कमोडोर केशव कुरुप विजय कुमार (13396), फ्लाईंग (पायलट)
100. एयर कमोडोर सजल कुमार भौमिक, (13463), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
101. ग्रुप कैप्टन दिनेश मुकुन्दन, (13508), प्रशासन/एयर ट्रेफिक कन्ट्रोलर
102. ग्रुप कैप्टन परमशिवन मूर्ति, (13679), परिभारिकी
103. ग्रुप कैप्टन प्रवीण खन्ना, (13833), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल)
104. ग्रुप कैप्टन विनय कौशल, (14063), लेखा
105. ग्रुप कैप्टन मुनियप्पा सूर्यनारायण रवीन्द्र, (14139),
एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
106. ग्रुप कैप्टन राजीव मित्तल, (14167), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
107. ग्रुप कैप्टन अनन्त कृष्णा, (14178), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
108. ग्रुप कैप्टन हितेश हरीभाई पटेल, (14271), फ्लाईंग (पायलट)
109. ग्रुप कैप्टन रवि धर, (14559), फ्लाईंग (पायलट)

110. ग्रुप कैप्टन कुमार कृष्णचन्द्रसिंहजी गोहिल, (14688), फ्लाईंग (पायलट)
111. ग्रुप कैप्टन लव कुमार विग, (14732), प्रशासन
112. ग्रुप कैप्टन सुहास कुमार अप्पाजी राव जगदाले, (14780),
एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल)
113. ग्रुप कैप्टन अजय मैसन, (14926), प्रशासन
114. ग्रुप कैप्टन नरेन्द्र बहादुर सिंह, (15635), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
115. ग्रुप कैप्टन गुलशन राय, (15969), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल)
116. ग्रुप कैप्टन विवेक, वायुसेना मेडल, (16560), फ्लाईंग (पायलट)
117. ग्रुप कैप्टन संदीप पुरी, (16574), फ्लाईंग (पायलट)
118. विंग कमांडर संजीव चन्द्रा, (17005), फ्लाईंग (पायलट)
119. विंग कमांडर अजीत सिंह, (15864), फ्लाईंग (पायलट)
120. विंग कमांडर हरिन्द्र कुमार घीमन, (16266), प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर
121. विंग कमांडर अमित चौधरी, (16885), परिभारिकी
122. विंग कमांडर महावीर सिंह शेखावत, (17116), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
123. विंग कमांडर प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, (17283), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल)
124. विंग कमांडर तरुण कुमार सिंघा, (17857), फ्लाईंग (पायलट)
125. विंग कमांडर रवीन्द्र चन्द्र पण्डा, (18434), चिकित्सा
126. विंग कमांडर धनंजय विष्णू वाणी, (18568), फ्लाईंग (पायलट)
127. स्क्वाड्रन लीडर प्रमोद कुमार जेना, (23922), प्रशासन
128. 637051 मास्टर वारन्ट अफसर रमेश चन्द्रा, फ्लाइट सिग्नलर
129. 645470 जूनियर वारन्ट अफसर कृष्ण चन्द्र रउतरे, उपस्कर सहायक
130. जीओ-01449पी चीफ इंजीनियर (सिविल) किरन कुमार यल्लाप्पा महिन्द्रकर
131. जीओ-1377डब्ल्यू चीफ इंजीनियर (सिविल) वेल्लूवा कन्नोथ वेणुगोपालन
132. जीओ-1412एन संयुक्त निदेशक (प्रशासन), टी. के. पवीथर्न

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 27-प्रेज/2006-राष्ट्रपति जेसी-262167 सुबेदार प्रितम सिंह, से.मे. तोपखाना/306 फील्ड रेजिमेंट को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं।

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 28-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-44527 लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक सिंह, मद्रास/54 राष्ट्रीय राइफल
2. आईसी-45757 लेफ्टिनेंट कर्नल श्री कुमार गोपीनाथ कार्था, 12 ग्रेनेडियर्स
3. आईसी-48827 लेफ्टिनेंट कर्नल समीरन देबनाथ, तोपखाना/1 असम राइफल
4. आईसी-50709 लेफ्टिनेंट कर्नल निलेश भनोट, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
5. आईसी-50783 लेफ्टिनेंट कर्नल सतीश कड़वथ, सेना वायु रक्षा/38 राष्ट्रीय राइफल
6. आईसी-51933 मेजर अलिन देब साहा, 1 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
7. आईसी-53186 मेजर निरज बख्शी, 6/5 गोरखा राइफल (फ्रंटियर फोर्स)
8. आईसी-54125 मेजर जगदीप सिंह लाम्बा, सेना सेवा कोर/29 राष्ट्रीय राइफल
9. आईसी-55341 मेजर प्रदीप कुमार सिंह, सेना वायु रक्षा/58 राष्ट्रीय राइफल
10. आईसी-55943 मेजर रवि आनन्द, कवचित कोर/14 राष्ट्रीय राइफल
11. आईसी-55985 मेजर सुंदीप मदान, डोगरा/20 राष्ट्रीय राइफल
12. आईसी-56396 मेजर अमित राठी, कवचित कोर/53 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
13. आईसी-57364 मेजर गुरइकबाल सिंह गिल, गाडर्स/21 राष्ट्रीय राइफल
14. आईसी-57662 मेजर लक्ष्मण सिंह राठौर, कवचित कोर/33 असम राइफल
15. आईसी-57684 मेजर कुलभूषण उप्रेती, वीर चक्र, सेना सेवा कोर/42 राष्ट्रीय राइफल
16. आईसी-58136 मेजर राजीव भार्गव, कवचित कोर/4 असम राइफल
17. आईसी-58536 मेजर शोभित तिवारी, जाट/34 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
18. आईसी-59523 मेजर रजनीश कुमार माही, तोपखाना/25 राष्ट्रीय राइफल
19. आईसी-59970 मेजर आलोक साहा, सेना वायु रक्षा/23 राष्ट्रीय राइफल

20. आईसी-60029 मेजर संजीव चमोला, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
21. आईसी-61342 मेजर संजय सिंह कार्की, 21 पैरा (स्पेशल फोर्स)
22. आईसी-64926 मेजर प्रशांत कुमार, तोपखाना/33 असम राइफल
23. एसएस-38667 मेजर शेट निशांत सदाशिव, बिहार/47 राष्ट्रीय राइफल
24. आईसी-59791 कैप्टन विक्रम रैना, गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल
25. आईसी-60323 कैप्टन अवनीश सिंह, मद्रास/54 राष्ट्रीय राइफल
26. आईसी-61046 कैप्टन ए रघुराम, सिग्नल/37 राष्ट्रीय राइफल
27. आईसी-62097 कैप्टन प्रजीथ पी वर्मा, 1 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
28. आईसी-62857 कैप्टन अजय कुमार, तोपखाना/306 फील्ड रेजिमेंट
29. आईसी-64071 लेफ्टिनेंट भुपेन्द्र सोलंकी, सेना आयुध कोर/11 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
30. जेसी-478647 सूबेदार दिग्विजय सिंह, राजपूत/58 राष्ट्रीय राइफल
31. जेसी-528896 सूबेदार अमर सिंह नेगी, 19 गढ़वाल राइफल
32. जेसी-412850 नायब सूबेदार नन्दलाल झझरिया, 9 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
33. जेसी-412862 नायब सूबेदार गंगा राम, 1 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
34. जेसी-412977 नायब सूबेदार दर्शन लाल, 4 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
35. जेसी-529461 नायब सूबेदार नैन सिंह, गढ़वाल राइफल/36 राष्ट्रीय राइफल
36. 2677784 हवलदार खीनवा राम, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
37. 2678061 हवलदार सोहन सिंह, ग्रेनेडियर्स/39 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
38. 2881844 हवलदार लाल सिंह खिच्ची, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
39. 4560794 हवलदार जयन्त कुमार माईती, महार/51 राष्ट्रीय राइफल
40. 13616189 हवलदार सुरेन्द्र सिंह, 4 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) (मरणोपरांत)
41. 2589886 लांस हवलदार अजीथ कुमार जी, मद्रास/38 राष्ट्रीय राइफल
42. 1487875 नायक संजीव कुमार, इंजीनियर्स/36 राष्ट्रीय राइफल
43. 2487273 नायक रेशम सिंह, 28 पंजाब
44. 3395596 नायक रघुबीर सिंह, 2 सिख (मरणोपरांत)
45. 3991703 नायक विचित्र सिंह, डोगरा स्काउट्स
46. 15308505 नायक एस लेनिन, 651 इंजीनियर प्लांट यूनिट (मरणोपरांत)
47. 2689252 लांस नायक महबूब खान, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

48. 2690310 लांस नायक बलविन्दर, 16 ग्रेनेडियर्स
49. 2889343 लांस नायक बन्सी लाल, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
50. 4074792 लांस नायक जयेन्द्र सिंह, 10 गढ़वाल राइफल
51. 4077197 लांस नायक बिरेन्द्र सिंह, गढ़वाल राइफल/36 राष्ट्रीय राइफल
52. 9421562 लांस नायक सरन राई, 1/11 गोरखा राइफल
53. 14431390 लांस नायक देवेन्द्रा सिंह, आर्टिलरी/6 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
54. 15612066 लांस नायक आशीष कुमार, गाड्स/21 राष्ट्रीय राइफल
55. 2491553 सिपाही राजेश कुमार, पंजाब/53 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
56. 2497277 सिपाही रोशन सिंह, पंजाब/37 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
57. 2606371 सिपाही पेन्लोडी विजय कुमार, मद्रास/54 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
58. 2799135 सिपाही सुन्दरा एन, मराठा लाइट इन्फैंट्री/27 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
59. 3998802 सिपाही प्रेम लाल, डोगरा/20 राष्ट्रीय राइफल
60. 3998985 सिपाही करतार चन्द, 7 डोगरा रेजिमेंट (मरणोपरांत)
61. 4274922 सिपाही अंगद कुमार पाण्डे, बिहार/47 राष्ट्रीय राइफल
62. 4570128 सिपाही भूपेन्द्र सिंह, 1 महार रेजिमेंट (मरणोपरांत)
63. 12944072 सिपाही अब्दुल जब्बर, 159 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) डोगरा (मरणोपरांत)
64. जी-411559 राइफलमैन जसवन्त सिंह, 4 असम राइफल
65. 2897299 राइफलमैन पुसा लाल जाट, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
66. 4080606 राइफलमैन विजय कुमार, 3 गढ़वाल राइफल (मरणोपरांत)
67. 9103098 राइफलमैन मोहम्मद अयूब खान, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/
2 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
68. 12974095 राइफलमैन अल्ताफ हुसैन मीर, 162 इन्फैंट्री बटालियन (टीए)
जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
69. 15564913 सैपर महादेव नारायण यादव, 270 इंजीनियर्स (मरणोपरांत)
70. 4371248 पैराट्रूपर थांगजुंगिर हालम, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
71. 13622804 पैराट्रूपर दलीप कुमार, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
72. 13625972 पैराट्रूपर प्रसान प्रधान, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)

73. 13624775 पैराट्रूपर खाइखो हाओ, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
74. 14438090 गन्नर संजीब घोष, तोपखाना/40 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
75. 15774757 गन्नर प्रवीन कुमार, सेना वायु रक्षा/23 राष्ट्रीय राइफल

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 29-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण कर्तव्यपरायणतापूर्ण कार्यों के लिए "नौसेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. लेफ्टिनेंट कमांडर अमित पाण्डे, (04596-डब्ल्यू)
2. लेफ्टिनेंट अनुज शर्मा, (05121-एन)
3. अमीलाल यादव, एम सी एम ई II, (149840-वाई)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 30-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. विंग कमांडर मकरन्द रानडे (18586), फ्लाईंग (पायलट)
2. विंग कमांडर रमेश चन्द्र त्रिपाठी (19383) परिभारिकी/पैरा जंप इंस्ट्रक्टर
3. विंग कमांडर उदय कान्त झा (20568) फ्लाईंग (नेविगेटर)
4. विंग कमांडर जसप्रीत सिंह (20977) फ्लाईंग (पायलट)
5. विंग कमांडर जोसफ स्वॉरेस (21209) फ्लाईंग (पायलट)
6. स्क्वाड्रन लीडर सिरीगरे शिवाशंकारप्पा चैथन्य (24143), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स) (मरणोपरांत)
7. 727844 सार्जेंट निककू राम चौधरी, क्लर्क (जनरल ड्यूटी)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 31-प्रेज/2006-राष्ट्रपति, आईसी-47643 लेफ्टिनेंट कर्नल गुरविंद सिंह कुल्लर, से.मे., 21 पैराशूट (स्पेशल फोर्स) को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं।

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 32-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-24578 ब्रिगेडियर विजय प्रकाश पाल सिंह गुंसाई, गढ़वाल राइफल/मुख्यालय 44 माउंटेन ब्रिगेड
2. आईसी-27606 ब्रिगेडियर अजय कुमार सिंह, विसेमे, कवचित कोर
3. आईसी-27979 ब्रिगेडियर जतिन्दर सिंह बाजवा, कुमाऊं/मुख्यालय 11 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
4. आईसी-30094 ब्रिगेडियर धर्मवीर सिंह अहलावत, विसेमे, जाट/मुख्यालय 109 इन्फैंट्री ब्रिगेड
5. आईसी-30137 ब्रिगेडियर सुखराज पाल कोछड़, विसेमे, सिग्नल/मुख्यालय 10 कोर
6. आईसी-30183 ब्रिगेडियर नरिन्दर सिंह कपूर, गढ़वाल राइफल/मुख्यालय 13 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
7. आईसी-30331 ब्रिगेडियर तेजिन्द्र सिंह हान्डा, पैराशूट रेजिमेंट
8. आईसी-30708 ब्रिगेडियर अशोक कुमार चौधरी, विसेमे, महार/मुख्यालय 10 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
9. आईसी-30723 ब्रिगेडियर अशोक सिंह, विसेमे, गाड्स/मुख्यालय 323 माउंटेन ब्रिगेड
10. आईसी-30733 ब्रिगेडियर सेल्वा कुमार हेनरी जॉनसन, विसेमे, 5 गोरखा राइफल/मुख्यालय 91 इन्फैंट्री ब्रिगेड
11. आईसी-30892 ब्रिगेडियर यशपाल सिंह रावत, 8 गोरखा राइफल/मुख्यालय 268 इन्फैंट्री ब्रिगेड

12. आईसी-31034 ब्रिगेडियर राज कुमार शर्मा, जाट/मुख्यालय 59 माउंटेन ब्रिगेड
13. आईसी-31418 ब्रिगेडियर जेम्स मायान्डी देवदास, सिख/108 माउंटेन ब्रिगेड
14. आईसी-32079 ब्रिगेडियर गुरजीत सिंह ढिल्लों, कवचित कोर/टीए ग्रुप मुख्यालय पश्चिमी कमान
15. आईसी-33994 ब्रिगेडियर जगदेव जगजीवन सिंह, जाट/मुख्यालय 4 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
16. आईसी-35210 कर्नल बसन्त कुमार धींगरा, सेना वायु रक्षा
17. आईसी-39510 कर्नल सुधीर लान्बा, आर्टिलरी
18. आईसी-39956 कर्नल गुरपाल सिंह साँघा, विसेमे, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल
19. आईसी-40782 कर्नल मनदीप सिंह मान, 21 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
20. आईसी-41102 कर्नल जारकेन गेमलिन, 5/8 गोरखा राइफल
21. आईसी-41476 कर्नल अशोक कुमार दिग्रा, 1 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स)
22. आईसी-41518 कर्नल दया चन्द, शौर्य चक्र, डोगरा/11 राष्ट्रीय राइफल
23. आईसी-41999 कर्नल लव वर्मा, 5 पैरा रेजिमेंट
24. आईसी-42339 कर्नल प्रदीप नारायणन, 16 जाट रेजिमेंट
25. आईसी-42899 कर्नल एस बालाचन्द्रुडु, इंजीनियर/मुख्यालय 760 बॉर्डर रोड टास्क फोर्स
26. आईसी-43113 कर्नल गुरविन्द्र सिंह बेदी, गाड्स/14 असम राइफल
27. आईसी-43981 कर्नल शरद कपूर, 9 राजपूत रेजिमेंट
28. एमआर-03449 कर्नल कुंवर कर्णी सिंह, विसेमे, सेना चिकित्सा कोर/सेना अस्पताल (आर एंड आर)
29. आईसी-41880 लेफ्टिनेंट कर्नल महिन्द्र सिंह यादव, आर्मी एविएशन/9(II) आर एंड ओ फ्लाइट
30. आईसी-42143 लेफ्टिनेंट कर्नल पोथमसेट्टि उदय भास्कर, तोपखाना/मुख्यालय एएनसी
31. आईसी-49028 लेफ्टिनेंट कर्नल सुखवन्त सिंह, इंजीनियर्स/201 बम डिसपोजल कंपनी
32. आईसी-50968 लेफ्टिनेंट कर्नल गोपीनाथ श्रीकुमार, इंटेलीजेंस/मुख्यालय डीजीएआर
33. एमआर-03668 लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल दत्त शर्मा, सेना चिकित्सा कोर/सेना अस्पताल पटियाला
34. एमआर-05467 लेफ्टिनेंट कर्नल विभा दत्ता, सेना चिकित्सा कोर/सेना अस्पताल (आर एंड आर)

35. आईसी-53761 मेजर अमित श्रीवास्तवा, आर्टिलरी/306 फील्ड रेजिमेंट
36. आईसी-59698 मेजर राकेश कुमार आनन्द, 9 राजपूत रेजिमेंट
37. एसएल-04372 मेजर राज कुमार गुरुंग, सेना शिक्षा कोर/मुख्यालय पश्चिमी कमान
38. एसएल-04748 कैप्टन महाबीर सिंह, इंजीनियर्स/जीई (I) 866 ईडब्ल्यूएस
39. आईसी-63374 लेफ्टिनेंट अभिजीत रंगाराव भामरे, 18 मराठा लाइट इन्फैंट्री
40. 67040 हवलदार चम्पा, 1 विकास
41. 14924356 लांस नायक सन्तोष राम चन्द्र शिंदे, 4 मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री
42. 15561559 लांस नायक माली सिताराम आनन्द, 112 इंजीनियर रेजिमेंट

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 33-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "नौसेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. कमोडोर सुरेन्द्र कुमार खन्ना, (01455-एफ)
2. कमोडोर अशोक अनंत राम, (50581-एफ)
3. कमोडोर शिवकुमार कलवल्लि, (01837-जेड)
4. कैप्टन किशोर ओंकार ठाकरे, (40767-ए)
5. सर्जन कैप्टन गिरीश गुप्ता, (75445-आर)
6. कैप्टन सी. एस. मूर्ति, (02129-एन)
7. कैप्टन अशोकन थेंगीनल मण्णिल कोच्चु (01991-जेड)
8. कैप्टन के मुरलीधरन नायर, (02068-जेड)
9. कैप्टन अरविन्द सिंह राना, (02809-एच)
10. कमांडर अप्पुकुटन नायर वेणुगोपाल, (02822-एन)
11. कमांडर अधीर अरोरा, (02847-डब्ल्यू)
12. कमांडर दिनेश कुमार त्रीपाठी, (02904-जेड)
13. कमांडर पीयूष गोयल, (02946-डब्ल्यू)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 34-प्रेज/2006-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. ग्रुप कैप्टन रवीन्द्र कुमार धीर (15678), फ्लाईंग (पायलट)
2. ग्रुप कैप्टन रविंदर कुमार शर्मा (16050), फ्लाईंग (पायलट)
3. विंग कमांडर थोड्रेन राजीवन (17168), फ्लाईंग (पायलट)
4. विंग कमांडर संदीप सिंह (17312), फ्लाईंग (पायलट)
5. विंग कमांडर रणबीर सिंह डागर (17844), फ्लाईंग (पायलट)
6. विंग कमांडर राधाकृष्णन रघीश (17853), फ्लाईंग (पायलट)
7. विंग कमांडर प्रशान्त मुकुन्द विठालकर (17855), फ्लाईंग (पायलट)
8. विंग कमांडर रवी गोपाल कृष्ण कपूर (18253), फ्लाईंग (पायलट)
9. विंग कमांडर श्रीधर किशोर मोहलाह (18259), फ्लाईंग (पायलट)
10. विंग कमांडर पंकज दुआ (18266), फ्लाईंग (पायलट)
11. विंग कमांडर बालकृष्णन मणिकण्ठन (18291), फ्लाईंग (पायलट)
12. विंग कमांडर आशुतोष दीक्षित (18558), फ्लाईंग (पायलट)
13. विंग कमांडर सूरत सिंह (18563), फ्लाईंग (पायलट)
14. विंग कमांडर जंगवीर सिंह गुरों (19879), फ्लाईंग (पायलट)
15. स्क्वाड्रन लीडर पंकज काथपाल (22955), फ्लाईंग (पायलट)
16. स्क्वाड्रन लीडर सत्येंद्र कुमार (23499), प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर
17. फ्लाइट लेफ्टिनेंट ओरुगन्ती सिवा नरसिंहम (24296) लेखा
18. 622248 वारन्ट अफसर रामचन्द्रन सौन्दरा राजन, एम टी ड्राइवर/पी जे आई

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 35 - प्रेज़/2006 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :-

1.

जेसी-617223 सूबेदार जगत बहादुर घले
6/5 गोरखा राइफल (अग्रणी सेना) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 नवंबर, 2004)

06 नवंबर, 2004 की रात को सूबेदार जगत बहादुर घले की कमान में एक घात दल को नार्थ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के निकट तैनात किया गया था। छह आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास का पता चलने पर, साहसपूर्ण पहलशक्ति का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने आतंकवादियों को उलझाने तथा उनका सफाया करने के लिए घात दल को स्थान बदल कर तैनात कर दिया। सूबेदार घले ने आतंकवादियों को पहले 15 मीटर तक करीब आने दिया और फिर गोली चलाकर उनमें से दो को मार गिराया। भारी जवाबी गोलीबारी के बावजूद, उन्होंने शेष आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए घात दल को पुनः तैनात किया। वापस जा रहे आतंकवादियों को उलझाने के लिए अपनी कमान में घात दल को एकत्रित करने की प्रक्रिया में सूबेदार घले के बाएं कंधे में गोली लग गई। जख्मी होने के बावजूद, उन्होंने गोलीबारी जारी रखी तथा तीसरे आतंकवादी को घायल कर दिया। अपने जख्मों और अत्यधिक बह रहे खून की परवाह न करते हुए सूबेदार घले भाग रहे आतंकवादियों को उलझाने तथा उनका सफाया करने के लिए तब तक अपने सैनिकों का नेतृत्व करके उन्हें प्रेरित करते रहे जब तक रक्त की कमी के कारण वे ऐसा करने में असमर्थ नहीं हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया किंतु वहां जख्मों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हो गए।

सूबेदार जगत बहादुर घले ने आतंकवादियों से लड़ते समय असाधारण वीरता, निःस्वार्थ साहस का प्रदर्शन किया तथा भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान किया।

2.

श्री संजीव, सब इंस्पेक्टर
अंडमान तथा निकोबार प्रशासन (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 दिसंबर, 2004)

26 दिसंबर, 2004 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप की पुलिस में सब इंस्पेक्टर श्री संजीव ने, जो स्टेशन हाउस अफसर के रूप में दक्षिणी द्वीप समूह में कैचल द्वीप के पुलिस स्टेशन में तैनात थे, विनाशकारी सुनामी के बाद शक्तिशाली भूकंप महसूस किया जिसमें हजारों व्यक्तियों की मृत्यु और भारी संख्या में मकानों की तबाही के परिणामस्वरूप जान और माल का अभूतपूर्व नुकसान हुआ। भूकंप के ठीक बाद श्री संजीव पुलिस स्टेशन कैचल पहुंचे और नुकसान का सर्वेक्षण करने तथा भूकंप के बाद अपेक्षित कार्रवाई करने के लिए उन्होंने उपलब्ध सभी पुलिस कर्मियों को इकट्ठा किया। उन्होंने समुद्र का पानी असामान्य रूप से पीछे हटते देखा और खतरा भांपते हुए अपने स्टाफ को सतर्क कर दिया तथा उन्हें निकट की पहाड़ी की ओर भागने का निदेश दिया। अपने पत्नी और 11 वर्ष के बच्चे को छोड़कर, वे सरकारी अतिथि गृह की ओर दौड़े जहां भारी संख्या में निवासी और ठेके के कामगार रह रहे थे। उनके अतिथि गृह पहुंचने से पहले, सुनामी की पहली लहर समुद्र तट पर पहुंच गई। उस ज्वारीय लहर में वे डूब गए, किंतु शीघ्र ही बाहर आ गए। अपने प्राण को जोखिम में डालकर, उन्होंने तीन मजदूरों को पानी से खींचकर बाहर निकाला और उनके प्राण बचाए। उसके बाद, उन्होंने समुद्र के ज्वार से बचने का संघर्ष करती हुई मध्य-आयु की एक औरत को देखा। बिना किसी हिचकिचाहट के उस महिला को बचाने के लिए श्री संजीव पुनः पानी में कूद पड़े। श्री संजीव का बचाने का साहसिक कार्य उस समय विफल हो गया जब सुनामी की एक और भारी लहर उन दोनों को निगल गई।

इस प्रकार, श्री संजीव ने अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते समय असाधारण वीरता, प्रतिबद्धता, कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान किया।

3.

श्री रूघा राम
हनुमानगढ़, राजस्थान (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 जून, 2005)

06 जून, 2005 को दिन के लगभग 12:45 पर चार हथियारबंद लुटेरे राजस्थान के जिला हनुमानगढ़ के गांव सुरेवाला में पंजाब और सिंध बैंक शाखा के

भीतर घुस गए । उन्होंने बैंक का प्रवेश द्वार अवरुद्ध कर वहां मौजूद स्टाफ और ग्राहकों को बंधक बनाया और कैशियर पर पिस्तौल तान दी । श्री रुघा राम, बैंक गनमैन ने स्ट्रांग रूम से बाहर आते हुए लुटेरों को देखा और उन्हें ललकारा तथा उनपर गोली चलाने की कोशिश की । दो लुटेरे उन पर कूद पड़े और उन्हें फर्श पर गिराकर दबोच लिया । फिर भी, उन्होंने साहस नहीं छोड़ा और उनपर हाथों-पैरों से वार करते हुए संघर्ष करते रहे । श्री रुघाराम के इस प्रतिरोध से वे घबरा गए और उन्होंने भागने का प्रयास किया । वहां से जाते समय लुटेरों ने उनकी सर्विस गन छीनने का प्रयास किया । इस हाथा-पाई में गन के दो टुकड़े हो गए । एक अन्य बैंक कर्मचारी भी उनसे भिड़ गया । प्रतिरोध देखकर, लुटेरा श्री रुघाराम पर पिस्तौल के हथ्थे से लगातार वार करने लगा । जख्मी हो जाने के बावजूद, श्री रुघाराम लुटेरों से हाथा-पाई करते रहे । अपने भागने के प्रयास में, लुटेरों ने श्री रुघाराम पर गोली चला दी । गोली से जख्मी हो जाने के कारण वे गिर पड़े और अपने प्राण त्याग दिए । लेकिन उनकी अनुकरणीय साहस और वीरता प्रदर्शन से सरकारी संपत्ति (7.58 लाख रुपए), अन्य मूल्यवान वस्तुएं तथा बैंक में मौजूद व्यक्तियों की जान बच गई ।

इस प्रकार, श्री रुघाराम ने लुटेरों से लड़ने में उत्कृष्ट साहस, दृढ़-निश्चय का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया ।

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 36 - प्रेज़/2006 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :-

1.

विंग कमांडर अलगराजा पेरूमाल (17150)

उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 मई, 1999)

21 मई, 1999 को विंग कमांडर अलगराजा पेरूमाल को मार्गरक्षक के रूप में दो मिग-29 विमान के साथ द्रास, कारगिल तथा बटालिक सेक्टरों में नियंत्रण रेखा के निकट महत्वपूर्ण फोटो सर्वेक्षण मिशन चलाने का कार्य सौंपा गया था ।

मिशन के दौरान, प्रातः लगभग 0900 बजे, बटालिक सेक्टर की फोटो लेने के बाद, विंग कमांडर पेरूमाल ने तीव्र झटका महसूस किया और विमान अनियंत्रण व पथभ्रंश हो गया एवं घूमने लगा । अनुरक्षी विमान ने बचाव विमान के स्टारबोर्ड इंजन से तेज रोशनी निकलने, मलबा गिरने और धुंआ निकलने की सूचना दी । विमान पर मिसाइल से वार किया गया था । इस गंभीर प्राणघातक स्थिति के बावजूद, विंग कमांडर पेरूमाल ने अपना धैर्य बनाए रखा और असाधारण कुशलता तथा साहस का प्रदर्शन करते हुए खतरे के जोन से निकलने में सफल हो गए । एक इंजन पूरी तरह से नष्ट हो गया था तथा विमान को गंभीर नुकसान हुआ था । रेडिया रिसेप्शन गड़बड़ा गया और उसने ठीक से कार्य करना बंद कर दिया । इन्हें यह मालूम नहीं हो सका कि मिसाइल लगने से विमान को कितना नुकसान हुआ था । विमान तेजी से असंतुलित होकर असामान्य रूप से बर्ताव कर रहा था । इस खतरनाक स्थिति में भी, विंग कमांडर पेरूमाल ने विमान को न छोड़ने और विमान में बहुमूल्य उपस्करों तथा सर्वाधिक मूल्यवान 'मिशन फोटोग्राफ' को बचाने का निर्णय लिया । इन्होंने निकटवर्ती एयरफील्ड श्रीनगर में क्षतिग्रस्त विमान को सकुशल उतारने का साहसिक निर्णय लिया । पर्वतीय भू-भाग के ऊपर इन्होंने विमान को धीरे-धीरे नीचे उतारने की अपेक्षा गति बनाए रखने के लिए विमान को नियंत्रित किया तथा धैर्य बनाए रखा । इन्होंने श्रीनगर में विमान उतारने से पहले 45 मिनट तक एक क्षतिग्रस्त विषम पावर वाले विमान को नियंत्रित करने में असाधारण साहस, दृढ़-निश्चय तथा उड़ान दक्षता का प्रदर्शन किया ।

विंग कमांडर अलगराजा पेरूमाल ने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए क्षतिग्रस्त विमान को नियंत्रित करने में वीरता तथा असाधारण सैनिकोचित साहस का प्रदर्शन किया ।

2.

आईसी-54305 मेजर हरमनदीप सिंह बेदवान**राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 04 दिसंबर, 2004)

मेजर हरमनदीप सिंह बेदवान ने जम्मू-कश्मीर में जिला अमृतनाग के एक गांव में घेराबंदी तथा तलाशी कार्रवाई शुरू की। 04 दिसंबर, 2004 को 1605 बजे, जब तलाशी कार्रवाई चल रही थी, तभी एक मस्जिद के निकट संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। मेजर हरमनदीप सिंह बेदवान ने तत्काल उस क्षेत्र की नाकाबंदी कर दी। सैन्य दल, मस्जिद के भीतर छिपे आतंकवादियों की ओर से गहन तथा कारगर गोलीबारी की चपेट में आ गया। इन्होंने मस्जिद के चारों ओर कंसरटीना क्वायल तथा प्रकाश की व्यवस्था की। अपनी सैन्य टुकड़ी के लिए गंभीर खतरा भांपते हुए मेजर बेदवान छोटे से सैन्य दल के साथ निकट के नाले में से रेंगते हुए किसी को मनक लगे बिना मस्जिद के बाहर पहुंच गए। एक क्षण में, स्मोक ग्रेनेड अन्दर फेंका और वे तेजी से आगे बढ़े। मेजर बेदवान ने अपने को जोखिम में डालकर असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए, घमासान लड़ाई में एक आतंकवादी को खिड़की के निकट उलझा लिया और उसी क्षण उसे मार गिराया। अन्य दो आतंकवादियों ने इनपर हथगोले फेंके। अडिग रहकर अपने साथियों का खतरा भांपते हुए बार-बार जोखिम उठाकर आतंकवादियों पर हथगोले फेंकते रहे। उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन करते हुए, पलभर में ये एक आतंकवादी पर टूट पड़े और गोलियों की बैछार करके उसे बहुत ही निकट से मार गिराया। हताश होकर तीसरे आतंकवादी ने इनपर गोलीबारी कर दी। मेजर बेदवान निडर होकर आतंकवादी से गुत्थम-गुत्था हो गए और उसका हथियार छीनकर दिव्य प्रयास करते हुए उसको गोली मार दी।

मेजर हरमनदीप सिंह बेदवान ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में अदम्य साहस, पहलशक्ति तथा प्रेरणादायक नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

3.

4190405 राइफलमैन राजेंद्र सिंह**कुमाऊं/60 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 जनवरी, 2005)

18 जनवरी, 2005 को जम्मू-कश्मीर के रजौरी जिले के एक गांव में ऑपरेशन शुरू किया गया था। लीडिंग स्काउट राइफलमैन राजेंद्र सिंह ने नाले से

आतंकवादियों के एक दल को अपनी ओर आते हुए देखा और दल के नेता को सूचित कर दिया। उन्हें आतंकवादियों को निकट आने तक गोलीबारी न करने के लिए कहा गया। जब आतंकवादी केवल 50 मीटर की दूरी पर थे तब इस बहादुर सिपाही ने अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए उन पर गोलीबारी शुरू कर दी और एक को तत्काल मार गिराया। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना वह सघन गोलीबारी के बीच तुरंत नाले में कूद गया और दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। आड़ का बेहतरीन फायदा उठाते हुए इस सिपाही ने एक ढोक तक, जहां पर वे छिपे हुए थे, आतंकवादियों का पीछा किया। दल के नेता को स्थिति की जानकारी देकर राइफलमैन राजेंद्र सिंह ने अपनी स्थिति संभाल कर आतंकवादियों को बच निकलने नहीं दिया। इस बात को भांपते हुए कि सघन गोलीबारी से ढोक को घेर रहे सैनिकों के कार्य में रुकावट आ रही है, ढोक के निकट स्थित यह सैनिक दूट पड़ा और तीसरे आतंकवादी को मार गिराया जिसकी बाद में एक भयानक आतंकवादी दल के एरिया कमांडर के रूप में पहचान हुई।

इस प्रकार, राइफलमैन राजेंद्र सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया जिसके फलस्वरूप न केवल तीन दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया किया बल्कि अपने साथियों के प्राण भी बचाए।

4. जीएस-158583 एन अधीक्षक भवन तथा सड़क ग्रेड-II, एम बुद्धा चंद्रा सिंगा (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 फरवरी, 2005)

14 फरवरी, 2005 को श्री एम बुद्धा चंद्रा सिंगा को खरदुंगला चोटी पर तैनात किया गया था। फरवरी, 2005 के दौरान, अपूर्व बर्फबारी हुई थी जिससे लगातार 12 दिन तक लेह-लद्दाख प्रभावित रहा। भारी बर्फबारी के कारण सड़क पर 8 से 10 फीट बर्फ का ढेर लग गया तथा डिटेचमेंट केएम 32, डिटेचमेंट केएम 39 (खरदुंगला चोटी) तथा डिटेचमेंट केएम 41 एक दूसरे से कट गए थे। श्री सिंगा ने डिटेचमेंट केएम 32 पर (डिटेचमेंट का आगे डेट के रूप में उल्लेख किया जाएगा) 15 फरवरी, 2005 को सूचित किया तथा एक मिनट भी आराम किए बिना डिटेचमेंट केएम 32 से आगे बर्फ हटाने का कार्य शुरू कर दिया। 16 फरवरी को केएम 39 तक सड़क से बर्फ हटाने के लिए वह पूरे दिन डोजरों के साथ कार्य करते रहे। उन्होंने सड़क को साफ करने के लिए डोजरों के साथ कार्य जारी रखा। 17 फरवरी, 2005 को उन्होंने दोबारा बर्फ हटाने का कार्य बड़ी मुस्तैदी से किया तथा के.चोटी तक सड़क की सफाई करने के लिए लगातार डोजर के साथ-साथ चलते रहे।

श्री सिंगा, कार्य के महत्व को समझते हुए जलवायु अनुकूलन और व्यक्तिगत आराम अथवा सुरक्षा की परवाह किए बिना के.एम. 39 से आगे बर्फ हटाने के कार्य में श्री संजय कुमार के साथ जुट गए। 18 फरवरी, 2005 को लगभग 07.30 बजे श्री सिंगा और श्री संजय कुमार के निरीक्षणाधीन दो डोजरों के साथ बर्फ हटाने का

कार्य शुरू हुआ । दोनों ही उत्साह से ओत-प्रोत थे तथा उन्होंने शाम तक 41 डिटेचमेंट को जोड़ने का लक्ष्य रखा । श्री सिंगा ने दिशाएं दिखाते हुए डी-80 डोजर का मार्गदर्शन जारी रखा । वह ऑपरेटर को दिशा-निर्देश देते हुए डोजर के साथ-साथ चल रहे थे । मौसम अत्यधिक खराब था परंतु कार्य जोरों पर था । अचानक, पहाड़ी के शिखर से एक झटके के साथ भारी हिम-स्खलन हो गया । यह डोजर पर आ गिरा तथा डोजर और इसमें फंसे अन्यो को घाटी की तलहटी की ओर धकेल दिया । श्री सिंगा भी इस भारी-भरकम हिम-स्खलन में फंस गए तथा सदा के लिए गायब हो गए ।

श्री एम बुद्धा चंद्रा सिंगा ने असाधारण कर्तव्यपरायणता, अडिग साहस, दृढ़ निश्चय तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए जीवन का बलिदान कर दिया ।

5. जीएस-176653 के अधीक्षक भवन तथा सड़क ग्रेड-II, संजय कुमार (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 फरवरी, 2005)

माह फरवरी, 2005 के दौरान लगातार 12 दिनों तक लेह-लद्दाख क्षेत्र अपूर्व बर्फबारी की चपेट में रहा । भारी बर्फबारी से सड़क पर जमा हुए बर्फ के ढेर के कारण डिटेचमेंट के.एम. 32, के.एम. 39 (खरदुंगला-टॉप) डिटेचमेंट के.एम.41 एक दूसरी से कट गई । इन दिनों जब-जब सीमित समयावधि के लिए मौसम में सुधार आया श्री संजय कुमार ने के.एम.39 से के.एम.32 तथा के.एम.41 के मध्य बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया । उन्होंने बर्फ हटाने के कार्य के लिए तैनात ऑपरेटरों तथा अन्य कार्मिकों को प्रेरित किया । के.एम.39 तक सड़क खोलने के बाद, तीन डोजरों की तैनाती के साथ अगले दिन की योजना बनाई गई । 18 फरवरी, 2005 को श्री संजय कुमार तथा श्री बी सी सिंगा की देख-रेख में लगभग 0730 बजे दो डोजरों के साथ बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया गया । दोनों ही उत्साह से परिपूर्ण थे तथा उन्होंने शाम तक के.एम.41 डिटेचमेंट को जोड़ने का लक्ष्य रखा । बर्फानी तूफान लगातार जारी था । श्री संजय कुमार ने डोजरों के आस-पास चलना जारी रखा । लगभग 1200 बजे तीसरे डोजर को बर्फ हटाने के कार्य पर तैनात किया गया । लगभग 1530 बजे पहाड़ी की चोटी से भारी बर्फ खिसक कर नीचे की ओर गिरी । पल भर में यह डोजर पर आ गिरी तथा जवानों सहित डोजर नीचे घाटी में लुढ़क गया । श्री संजय कुमार भी उस बर्फ की भारी चट्टान में फंस गए । तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया तथा बड़ी मेहनत के बाद उनका शव प्राप्त हुआ ।

श्री संजय कुमार ने व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना, अडिग साहस, असाधारण कर्तव्यपरायणता तथा दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन करते हुए जीवन का बलिदान कर दिया ।

6.

जीएस-165523एफ ऑपरेटर एक्स्केवेटिंग मशीनरी**लक्ष्मण सिंह (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 फरवरी, 2005)

ऑपरेटर एक्स्केवेटिंग मशीनरी लक्ष्मण सिंह को खरदुंगला चोटी पर संचार रेखा को खुला रखने के लिए, विश्व गिनीज़ बुक रिकार्ड में स्थान प्राप्त सर्वोच्च मोटोरेबल सड़क लेह-चलंका सड़क, पर बर्फ हटाने के ऑपरेशन हेतु तैनात किया गया था। खरदुंगला दर्रे से गुजरने वाली यह सड़क अत्यधिक सामरिक महत्व रखती है क्योंकि बेस कैम्प सियाचिन को जाने वाले खरदुंगला दर्रे के पार तैनात सभी सैनिकों के लिए यह एक जीवन रेखा है। शरदकालीन बर्फ हटाने का कार्य जोरों पर था। अत्यधिक बर्फबारी के बाद, खरदुंगला चोटी (के - टोप) के.एम. 39 तक की सड़क अन्य ऑपरेटर की मदद से ओ.ई.एम. लक्ष्मण सिंह द्वारा साफ की गई। के.एम. 39 से आगे का बर्फ हटाने का कार्य 18 फरवरी 2005 को शुरू किया गया। कम दृश्यता तथा बहुत कम तापमान के बावजूद ओईएम लक्ष्मण सिंह व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अत्यधिक जोखिमपूर्ण भाग से बर्फ की अंतिम परत को हटा रहा था। अचानक पहाड़ी के शिखर से भारी हिम-स्खलन हो गया। क्षण भर में ही यह डोजर पर आ गिरा तथा ऑपरेटर सहित डोजर घाटी में लुढ़क गया। ओईएम लक्ष्मण सिंह ने राष्ट्र के लिए मौके पर ही दम तोड़ दिया।

ओईएम लक्ष्मण सिंह ने जीवन के इस बड़े खतरे के समक्ष असाधारण कर्तव्यपरायणता, निःस्वार्थता तथा बहादुरी का परिचय दिया तथा सीमा सड़क संगठन की बेहतरीन परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान कर दिया।

7.

जेसी-469415 नायब सूबेदार हेम सिंह राजपूत**राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 28 फरवरी, 2005)

28 फरवरी, 2005 को नायब सूबेदार हेम सिंह राजपूत के नेतृत्व में एक टीम का जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक तीन मंजिले दुर्गम भवन में आतंकवादियों से आमना-सामना हो गया जहां पर उनकी घातक टीम के चार सदस्य घायल हो गए। खतरे को भांपते हुए नायब सूबेदार हेम सिंह राजपूत अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने साथियों को बचाने के लिए बार-बार घर में घुसते रहे यद्यपि वे इस कार्य के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए। तथापि, व्यक्तिगत पीड़ा की परवाह किए बिना, जब वह अंतिम जख्मी साथी को निकाल रहे थे तब उनका चार आतंकवादियों से मुकाबला हो गया। उन्हें फिर से गोलियों की बौछार लगी परंतु असाधारण साहस का परिचय देते हुए उन्होंने गुत्थम-गुत्था की लड़ाई में एक आतंकवादी को मार दिया तथा सर्वोच्च बलिदान करने से पहले उन्होंने एक अन्य भागते हुए आतंकवादी को

घायल कर दिया ।

नायब सूबेदार हेम सिंह राजपूत ने उत्कृष्ट तथा अतुलनीय वीरता तथा साथियों के प्रति चिंता का प्रदर्शन किया तथा भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान कर दिया ।

8

जेसी-255591 सूबेदार लोक नाथ शर्मा

तोपखाना रेजिमेंट/ 7 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 मार्च, 2005)

03 मार्च, 2005 को जब सूबेदार लोकनाथ शर्मा गश्त का नेतृत्व कर रहे थे तो उन्हें जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के एक गांव में तीन आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना मिली । उन्होंने अपने कंपनी कमांडर को यह जानकारी दी तथा अपनी पार्टी के साथ चुपके से दो घरों को घेर लिया ।

अचानक, एक आतंकवादी ने भारी राइफल की गोलीबारी और हथगोले के बीच से बचने का प्रयास किया । इस स्थिति से घबराए बिना सूबेदार शर्मा आतंकवादी को रोकने के लिए आगे की ओर दौड़े तथा नजदीक की लड़ाई में उसे मार गिराया । भारी गोलीबारी के बावजूद, सामरिक कुशाग्रता से कुमुक को तैनात करते हुए उन्होंने घर के प्रथम तल पर एक आतंकवादी को दबोच लिया तथा फौलादी इरादों का परिचय देते हुए रेंग कर अनुकूल स्थिति में पहुंचे । कुशल निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया । अन्य सैन्य दस्तों के पहुंचने पर इस जेसीओ ने स्वेच्छा से तीसरे आतंकवादी, जो अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए तथा हथगोला फैंकते हुए छुपने के लिए मस्जिद की ओर भागने का प्रयास कर रहा था, के ठिकाने की ओर अपनी टीम का नेतृत्व किया । आतंकवादियों के नापाक इरादों को भांपते हुए सूबेदार शर्मा ने, व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना, जोखिम उठाते हुए धावा बोल दिया तथा बिल्कुल नजदीक की भयंकर गोलीबारी करके तीसरे आतंकवादी को उड़ा दिया ।

सूबेदार लोक नाथ शर्मा ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में उत्कृष्ट क्षमता, सामरिक कुशाग्रता तथा अनुकरणीय व्यक्तिगत वीरता का परिचय दिया ।

9.

आईसी-61014 कैप्टन सुमीत कोहली
तोपखाना रेजिमेंट/18 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 7 मार्च, 2005)

7 मार्च, 2005 को कैप्टन सुमीत कोहली जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के एक जंगल में तलाशी तथा सफाया ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें उनके अग्रणी स्काउट द्वारा आतंकवादियों के छिपने के भूमिगत ठिकानों की सूचना दी गई। शानदार फील्ड कौशल तथा युद्ध अभ्यास का इस्तेमाल करते हुए, यह अफसर आतंकवादियों के छिपने के ठिकाने तक रेंगकर गया तथा वहां आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि की। इसके बाद, छिपने के ठिकाने से आतंकवादी बच न निकल सकें इसके लिए उन्होंने अपने पार्टी को सामरिक ढंग से तैनात किया। ऐसा करते समय, आतंकवादियों ने पार्टी की हरकतों को देख लिया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। चूंकि कैप्टन सुमीत इस ठिकाने के काफी निकट थे इसलिए उन पर भारी गोलीबारी हो गई। वे छिपने के ठिकाने की ओर रेंग कर पहुंचे तथा सही निशाने पर गोली चलाकर दो आतंकवादियों को मार गिराया। जैसे ही वह आगे बढ़े एक अन्य आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए उनकी ओर दौड़ता हुआ आया। उन्होंने तीसरे आतंकवादी को बिल्कुल नजदीक से उड़ा दिया।

कैप्टन सुमीत कोहली ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यवाई, अडिग साहस तथा अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

10.

आईसी-53657 मेजर नीलेश आनंद पगुलवार, सेना मेडल,
8 असम रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 अप्रैल, 2005)

14 अप्रैल, 2005 को मेजर नीलेश आनंद पगुलवार ने पूर्वी सेक्टर में घेरा डाला तथा 0630 बजे सात आदमियों के साथ तलाशी के लिए चल दिए। 0640 बजे तीन आतंकवादियों का पता लगने पर एक कच्चे घर तक उनका पीछा किया। आतंकवादियों ने राइफल से भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा हथगोले फेंके। भारी गोलीबारी के बीच फौलादी इरादों का प्रदर्शन करते हुए, मेजर पगुलवार ने आतंकवादियों के बच निकलने के रास्तों को काटने के लिए छह आदमी तैनात कर दिए तथा उस घर के निकट पहुंचे। पंद्रह मिनट तक दोनों ओर की गोलीबारी होने के बाद, उन्होंने खिड़की से एक आतंकवादी को गोली मार दी। दरवाजे पर आड़ दे रहे उनके एक साथी ने दूसरे आतंकवादी को मार डाला परंतु उन्हें भी पैर में गोली लग गई। स्वयं को गंभीर खतरे में डालते हुए मेजर पगुलवार ने अपने साथी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। दरवाजे पर लौटते समय तीसरे आतंकवादी ने एक हथगोला फेंका जिससे इस अफसर की गर्दन गंभीर रूप से घायल हो गई। हेलिकॉप्टर से उन्हें अस्पताल में ले जाने से पूर्व उन्होंने झपटकर तीसरे आतंकवादी

को मार गिराया ।

मेजर नीलेश आनंद पगुलवार, सेमे ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में स्वयं का जीवन गंभीर खतरे में होने के बावजूद अदम्य साहस तथा प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

11.

आईसी-54359 मेजर कमलेश मानिक राव शेंडे

2 ग्रेनेडियर्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 मई, 2005)

मेजर कमलेश मानिक राव शेंडे, उत्तरी सेक्टर के गांव में ऑपरेशन के आंतरिक घेराबंदी के सैन्य दस्ता कमांडर थे । 03 मई, 2005 को 2320 बजे पांच आतंकवादियों के एक गिरोह ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए इस घेराबंदी को तोड़ने का दुस्साहस किया । मेजर शेंडे ने आतंकवादियों को देखा तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच उनके निकट पहुंचे । अडिग साहस तथा दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया । शेष तीन आतंकवादी एक घर में छिप गए । मेजर शेंडे ने आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के बीच अत्यधिक साहस का परिचय देते हुए अपने साथी के साथ अपनी स्थिति बदली तथा 81 एमएम मोर्टार प्रकाश-पुंज से घर में एक फ्लेम थ्रोअर फैंका जिससे आतंकवादी आड़ छोड़ने पर मजबूर हो गए और तीनों आतंकवादियों पर टूट पड़े और उनको मौके पर ही मार डाला ।

मेजर कमलेश मानिक राव शेंडे ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई, अद्वितीय बहादुरी, अनुकरणीय नेतृत्व तथा सैन्य कुशाग्रता का परिचय दिया ।

12.

आईसी-58686 मेजर सलमान अहमद खान

सिख/6 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 मई, 2005)

05 मई, 2005 को मेजर सलमान अहमद खान ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के एक गांव के निकट सुनियोजित घात लगाई तथा एक आतंकवादी को मार गिराया किंतु दूसरा आतंकवादी भाग गया । आतंकवादी के शव से मिले दस्तावेजों की सहायता से उन्होंने भाग निकले आतंकवादी का पीछा किया तथा पास के ही गांव में उस आतंकवादी के मौजूद होने की सूचना जुटाई । यह अफसर बच निकलने के सभी रास्तों को काटने के लिए उस घर विशेष पर घेरा डालने के लिए तुरंत आगे बढ़ा । तलाशी ऑपरेशन के दौरान, इस अफसर पर स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी हो गई तथा उनके पैर और पेट में गोलियां लग गई । अत्यधिक रक्तस्राव के बावजूद,

अपने साथियों तथा वहां के निर्दोष असैनिकों पर आए गंभीर खतरे को भांपते हुए, वे अपने व्यक्तिगत हथियार के साथ आतंकवादी पर टूट पड़े तथा उसे घायल कर दिया। आतंकवादी दौड़ कर एक घर में घुस गया। अद्वितीय साहस तथा सूझबूझ का परिचय देते हुए मेजर खान ने उस घर पर दो हथगोले फेंक कर उस आतंकवादी को मार डाला, जिसकी बाद में उत्तरी कश्मीर के आतंकवादियों के डिवीजनल कमांडर के रूप में पहचान हुई। मेजर खान को निकट के फील्ड एम्बुलेंस में ले जाया गया जहां 7 मई, 2005 को घावों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हो गए।

मेजर सलमान अहमद खान ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में उत्कृष्ट वीरता, बड़ी बहादुरी तथा मैत्री भाव का प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

13. **जीएस-159664ए ऑपरेटर एक्स्केवेटिंग मशीनरी ग्रेड-II**
विक्रम सिंह (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 10 मई, 2005)

166 फॉर्मेशन कटिंग प्लाटून केयर 55 सड़क निर्माण कंपनी के ऑपरेटर एक्स्केवेटिंग मशीनरी ग्रेड-II विक्रम सिंह को 15500 फुट से अधिक की ऊंचाई पर फॉर्मेशन कटिंग कार्य के लिए शंकू-रसीला-सपिला-मुलबेड सड़क पर तैनात किया गया था जिसका निर्माण, मौजूदा जोजिला-कारगिल-लेह सड़क पर शत्रु की गोलीबारी से बचने तथा सेना और सिविल कारवां, जो नियंत्रण रेखा के पार से भारी गोलीबारी झेलते हैं, को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। वर्ष के दौरान हुई बर्फबारी ने जम्मू-कश्मीर के पिछले कई वर्षों के रिकार्ड को तोड़ दिया था। भारी बर्फबारी के परिणामस्वरूप अत्यधिक पानी बहने से, मिट्टी ढीली हो गई थी, जिससे कार्य करने में और अधिक कठिनाई आ रही थी। इन कठिनाइयों तथा इसमें निहित जोखिम के बावजूद, ओईएम विक्रम सिंह का सदैव हंसमुख व्यवहार बना रहा तथा उसने कार्य को जारी रखा। 10 मई, 2005 को ओईएम विक्रम सिंह को फॉर्मेशन कटिंग कार्य के लिए के.एम.46.2 पर उनके डोजर पर तैनात किया गया था। इन परिस्थितियों में कार्य करने में होने वाले जीवन के खतरे और जोखिम के बारे में भली-भांति जानते हुए भी उन्होंने दूसरे डोजर ऑपरेटरों को प्रेरित करते हुए स्वेच्छा से कार्य शुरू किया। लगभग 1310 बजे डोजर घाटी में लुढ़क गया तथा ओईएम विक्रम सिंह देश के लिए मौके पर ही शहीद हो गए।

इस प्रकार, ओईएम विक्रम सिंह ने कर्तव्यपरायणता, साहस, निःस्वार्थ, दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन करते हुए सीमा सड़क संगठन की बेहतरीन परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान दिया।

14.

आई सी-59758 मेजर दीपक कुमार पड्डा
कवचित कोर/14 ग्रनेडियर्स, (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 23 मई, 2005)

मेजर दीपक कुमार पड्डा उस दल के कमांडर थे जिसने 23 मई, 2005 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के जनरल एरिया में सफल सैन्य कार्रवाई चलाई थी ।

सूचना मिलने पर, मेजर दीपक कुमार तत्काल लक्ष्य स्थल पर पहुंचे । प्रचण्ड सामरिक कौशल का परिचय देते हुए, असुविधाजनक भू-भाग के प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए, उन्होंने दल की स्थिति को पुनः व्यवस्थित किया और स्वयं रेंगते हुए आतंकवादियों को प्रभावकारी ढंग से उलझाया । भारी गोलीबारी के दौरान पास के दल का कमांडर घायल हो गया । अपने आदमियों को भारी गोलीबारी से बचाने के लिए मेजर दीपक ने आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी । इस प्रकार की बहादुरी और भीषणता से अनभिज्ञ आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलाबारी आरम्भ कर दी और एक गोली मेजर दीपक के पेट में लग गई । इसी बीच एक दल के कमांडर ने एक आतंकवादी को मार दिया और इसी दौरान वह घातक रूप से घायल हो गया । मेजर दीपक अपूर्णीय क्षति को देखते हुए तथा अपने जानलेवा गोली के घाव की परवाह किए बिना रेंगते हुए आगे बढ़े और साहसिक चतुराई का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रभावकारी गोलीबारी से दूसरे आतंकवादी को मार गिराया । मेजर पड्डा को घटना स्थल से निकाल कर हस्पताल ले जाया गया जहां 4 जून, 2005 को घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए ।

मेजर दीपक कुमार पड्डा ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय नेतृत्व का परिचय दिया तथा आतंकवादियों से लड़ते हुए उच्च-बलिदान दिया ।

15.

1072825 दफादार हरभजन सिंह
कवचित कोर/8 राष्ट्रीय राइफाल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 25 मई, 2005)

25 मई 2005 को तलाशी तथा सफाया अभियान के दौरान ऑपरेशन टुकड़ी को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के जनरल एरिया में छुपने की एक खाई खुदी हुई दिखाई दी । इस छुपने के ठिकाने के भीतर उन्हें कुछ संदेहास्पद हरकत दिखाई दी । आतंकवादियों की वास्तविक मौजूदगी का पता लगाने के लिए जब प्रवेश करने वाले व्यक्ति ने रेंगकर अन्दर जाने का प्रयास किया तो आतंकवादियों ने उस पर ग्रनेड फेंकर घायल कर दिया । अपने साथी को भारी मुसीबत में फंसा हुआ देखकर दफादार हरभजन सिंह अपने घायल साथी को बचाने के लिए उस प्रवेश के निकट पहुंचा । उसने एक आतंकवादी को अपनी ओर निशाना साधते हुए देखा और दबे पांव, होशियारी से, अपनी सुरक्षा की

परवाह किए बिना आतंकवादी गोलीबारी को निष्क्रिय करने तथा घायल साथी को बाहर निकालने के उद्देश्य से उसने बैरल पकड़कर आतंकवादी का हथियार छीन लिया। इस गुथमगुत्था की लड़ाई में उन्होंने आतंकवादी का सफाया कर दिया। इस बीच, दूसरा आतंकवादी आया और उसने गोली चला दी। हरभजन सिंह ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और दूसरे आतंकवादी को घायल कर दिया। तीसरे आतंकवादी ने गोली चला दी और उसकी गोली से दफादार हरभजन सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गया और प्रवेश द्वार पर गिर पड़ा तथा शहीद हो गया।

दफादार हरभजन सिंह ने उत्कृष्ट बहादुरी, उच्च कोटी की प्रेरणा, सखाभाव का परिचय दिया और आतंकवादी से लड़ते हुए महान बलिदान दिया।

16.

**जीएस-166037 डब्ल्यू ऑपरेटर एक्सकेवेटिंग
मशीनरी ग्रेड-II बोध राज**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 मई, 2005)

359 रोड अनुरक्षण प्लाटून केयर, 54 रोड निर्माण कम्पनी (ग्रिप) के आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी ग्रेड-II बोध राज को लेह-चालुंका रोड, जो सामरिक दृष्टि में महत्वपूर्ण रोड सिरा है और न केवल विश्व की सबसे ऊंची मोटोरेबल रोड है, बल्कि सियाचिन ग्लेशियर के बेस कैम्प और 102 इन्फैंट्री ब्रिगेड सेक्टर के लिए एक मात्र सड़क यातायात सम्पर्क है, पर खरदुंगा टॉप (के-टोप) में 17 मई, 2005 से 29 मई, 2005 तक शीतकालीन हिम हटाने के लिए बी डी-80 डोजर पर तैनात किया गया था। शीतकाल के दौरान भारी हिमपात, 60-80 किलो मीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली तेज हवाएं और (-) 15 डिग्री सेल्सियस से (-) 35 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान इस रोड सेक्टर की प्राकृतिक परिस्थितियों को बदतर बना देती है। ऐसी कठिन और प्रतिकूल मौसम वाली स्थिति, जो निःसंदेह सबसे मुश्किल परिस्थिति है, में ओ. ई. एम. बोध राज ने साहस, संकल्प, क्षमता और कर्तव्यपरायणता के साथ वाहनों के आने-जाने के लिए अपने कठोर परिश्रम से रोड से बर्फ हटाई और यह सुनिश्चित किया कि कम से कम 29 मई, 2005 तक रोड खुल सके।

इस वर्ष के दौरान, इतनी अप्रत्याशित बर्फबारी हुई कि पिछले 40 वर्षों में इतनी बर्फबारी कभी नहीं हुई थी और इस भारी बर्फबारी से पूरा रोड सेक्टर बंद हो गया था। खरदुंगला टाप और के. एम. 41 के बीच हिमस्खलन प्रवृत्ति वाले क्षेत्र में 29 मई 2005 को बर्फ साफ करते समय 1405 बजे एक हिमस्खलन हुआ और ओ. ई. एम. बोध राज अपने डोजर के साथ उसमें दब गया। लगभग 40 मिनट तक हिम में दबे रहने के बावजूद भाग्यवश ये बच गये। इस घटना के बावजूद ओ. ई. एम. ग्रेड-II बोध राज बिना किसी झिझक के हिम हटाने के काम के लिए पुनः स्वयं तैयार हो गये।

ओ. ई. एम. बोध राज ने अद्वितीय और उत्कृष्ट साहस, कर्तव्यपरायणता तथा हिमस्खलन प्रवृत्ति वाले क्षेत्र में हिम हटाने के कार्य में दृढ़ता का परिचय दिया ।

17.

2481416 हवलदार अशोक कुमार**9 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 जून, 2005)

हवलदार अशोक कुमार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के जनरल एरिया में निगरानी करने का कार्य सौंपा गया था । 1 जून 2005 को लगभग 1000 बजे उसने तीन आतंकवादियों को देखा जो इनके दल के बाकी लोगों को दिखाई नहीं दे रहे थे । उच्चकोटि की पहल और अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए, ये बड़ी चतुराई से अपनी टुकड़ी को आतंकवादियों के निकट ले गये । इन्होंने आगे रहकर नेतृत्व करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया । दूसरे आतंकवादी ने इनपर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी । अपनी जान की परवाह किए बिना, इन्होंने गोली के निशाने से अपने एक साथी को धक्का देकर निशाने से हटा दिया और सखाभाव का एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया तथा दूसरे आतंकवादी को मार गिराया । इसी बीच तीसरा आतंकवादी दौड़कर छिपने के ठिकाने में घुस गया तथा उसने दस्ते पर गोलियों की बौछार कर दी । हवलदार अशोक कुमार ऊंची-नीची भूमि का फायदा उठाकर छिपने के ठिकाने के निकट आया । इन्होंने एक साथी को गोलीबारी से छिपने के ठिकाने के मुहाने को कवर करने का निर्देश दिया और स्वयं छिपने के उस ठिकाने के ऊपर चढ़कर उसके अन्दर हथगोला फेंक दिया तथा उस ठिकाने को वास्तविक रूप से नष्ट करते हुए तीसरे आतंकवादी का भी सफाया कर दिया ।

हवलदार अशोक के कुशल नेतृत्व, असाधारण वीरता, उत्कृष्ट नेतृत्व तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करने के परिणामस्वरूप तीनों कट्टर आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया ।

18.

4072135 हवलदार अतोल सिंह पवार, सेना मेडल**16 गढ़वाल राइफल (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 जून, 2005)

18 जून, 2005 को असम के नलवाड़ी जिले में आतंकवादियों के एक गिरोह की संभावित मौजूदगी की सूचना मिली । हवलदार अतोल सिंह पवार भी उस टुकड़ी में शामिल थे जो इस सूचना की पुष्टि के लिए उस क्षेत्र को रवाना हुई । उस क्षेत्र में पहुंचने पर आतंकवादियों द्वारा इस टुकड़ी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की गई । हवलदार अतोल सिंह पवार आतंकवादियों द्वारा चलाई गई गोलियों की पहली बौछार में गम्भीर रूप से घायल हो जाने के बावजूद, गोलीबारी नियंत्रित और संयत करने में अनुकरणीय कार्य किया जिससे

आसैनिकों की भीड़भाड़ वाले उस क्षेत्र में दोहरे नुकसान को टाला जा सका। गोलीबारी के दौरान उच्च साहस का परिचय देते हुए, उसने आतंकवादियों को उलझाये रखा और नजदीक आकर एक आतंकवादी को मार गिराया। वह फिर दूसरे आतंकवादी से भिड़ गया तथा उसे भी मार गिराया। हवलदार अतोल सिंह पवार को बेस अस्पताल ले जाया गया परन्तु रास्ते में ही अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

हवलदार अतोल सिंह पवार ने गम्भीर रूप से घायल हो जाने के बावजूद अनुकरणीय सूझबूझ, वीरता और प्रशंसनीय रणकौशल का परिचय देते हुए अपने घावों के कारण वीरगति प्राप्त होने से पूर्व दो आतंकवादियों का सफाया किया जिनसे हथियार और गोली-बारूद बरामद किए गए।

हवलदार अतोल सिंह पवार, एस.एम, ने आतंकवादियों की गोलीबारी के समक्ष अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए असाधारण वीरता तथा सूझबूझ का परिचय दिया।

19. **2789249 हवलदार सुर्वे मधुसुदन नारायन**
21 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 जून, 2005)

हवलदार सुर्वे मधुसुदन नारायन उस स्क्वाड का कमांडर था जिसे 20 जून, 2005 को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में स्थित आतंकवादी कैम्प पर छापा मारने का काम सौंपा गया था।

हवलदार सुर्वे एक कुशल कमांडो हैं जिन्होंने संतरी साइलेंसिंग के लिए अपने आप को प्रस्तुत किया। ये बहुत ही चुपके से काफी निकट आए। सावधान संतरी ने उनके पेट में गोली मारकर घायल कर दिया। घायल होने के बावजूद अपने सैनिकों के प्रति खतरे को भांपते हुए इन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत किया तथा कवर फायर मुहैया कराई। इस बीच, अन्य आतंकवादी आक्रमण दल पर भारी गोलीबारी करते हुए जंगल की ओर भागने लगे। व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना, हवलदार सुर्वे ने भागते आतंकवादियों का पीछा किया तथा एक और आतंकवादी को घायल कर दिया इस दौरान उन्हें भी एक और गोली लग गई। दो गोलियां लगने के बावजूद, हवलदार सुर्वे ने फौलादी इरादे के साथ तब तक गोलीबारी जारी रखी जब तक वे रक्तस्राव के कारण बेहोश नहीं हो गए। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई में इन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया तथा भागते आतंकवादियों को घायल कर दिया। बाद में इन्हें घावों के कारण अपना एक अंग खोना पड़ा।

हवलदार सुर्वे मधुसुदन नारायन ने आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के बीच अदम्य साहस, दृढ़-निश्चय, प्रेरणा तथा सखाभाव का परिचय दिया।

20.

4371321 पैराट्रूपर थान्मी मुइनाव
21 पैरासूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 जून, 2005)

20 जून, 2005 को पैराट्रूपर थान्मी मुइनाव मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक गांव में आतंकवादी शिविर पर दबिश के दौरान लीडिंग स्काउट थे। प्रारंभिक गोलीबारी की लड़ाई में दल के दो आदमी हताहत हो गए। इनके अफसर ने पैराट्रूपर मुइनाव को बगल से आतंकवादियों के विरुद्ध प्रति अंबुश लगाने तथा हताहतों को निकालने के कार्य को आसान करने का कार्य सौंपा। पैराट्रूपर मुइनाव उत्कृष्ट फील्ड कौशल तथा युद्ध कलाओं का इस्तेमाल करते हुए बिल्कुल चुपके एक आतंकवादी के निकट आए तथा इन्होंने स्थानीय भाषा की जानकारी का उपयोग करते हुए आतंकवादियों को चकमा दिया और निकट की लड़ाई में एक और आतंकवादी को मार गिराया। आतंकवादियों ने फायरिंग द्वारा सम्पर्क तोड़ने की कोशिश की। अपने सैनिकों के प्रति खतरे को भांपते हुए, पैराट्रूपर मुइनाव सामरिक कौशल का इस्तेमाल करते हुए, अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे आतंकवादी की ओर रेंगकर आगे बढ़े तथा इस वीरतापूर्ण कार्रवाई में उसे मार गिराया। थक जाने के बावजूद इन्होंने भागते आतंकवादियों का अत्यधिक साहस के साथ पीछा किया तथा निकट की लड़ाई में उन आतंकवादियों को घायल कर दिया। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी तरफ कोई हताहत न हो इन्होंने स्वयं तीन आतंकवादियों को मार डाला।

पैराट्रूपर थान्मी मुइनाव ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में वीरता, बहादुरी, पहलशक्ति, सैन्योचित तथा सखाभाव का प्रदर्शन किया।

21.

श्री विजोटो तिनयी, असिस्टेंट कमांडेंट
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जुलाई, 2005)

अयोध्या में 05 जुलाई, 2005 को लगभग 0915 बजे एक आतंकवादी दल ने राम जन्म भूमि/बाबरी मस्जिद परिसर पर हमला किया। आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदी जीप का इस्तेमाल करते हुए बाहरी अवरोध को उड़ाकर सुरक्षा जोन में प्रवेश किया और परिसर के भीतरी मोर्चे की तरफ बढ़े जहां 'डी' कम्पनी 33 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के असिस्टेंट कमांडेंट श्री विजोटो तिनयी तैनात थे। आक्रमणकारी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए, हथगोले फेंकते हुए और रॉकेट दागते हुए आगे बढ़ रहे थे। भारी गोलियों के बीच, श्री तिनयी ने जवानों को जवाबी कार्रवाई करने तथा पोजिशन लेने का निदेश दिया। उन्होंने वैयक्तिक सुरक्षा की परवाह न करते हुए, भारी गोलीबारी में घायल दो जवानों को बाहर ले जाने की व्यवस्था की। कार्रवाई के दौरान, आतंकवादियों द्वारा फेंके गए हथगोलों से विस्फोट हुआ जिससे मोर्चे की रेत की बोरियां ढह गईं। खुले में होने की स्थिति के

बावजूद श्री तिनयी भयभीत नहीं हुए और उन्होंने लड़ाई जारी रखी। लगभग एक घंटे तक चली इस भीषण गोलीबारी में, सभी पांचों आतंकवादी मारे गए।

श्री विजोटी तिनयी ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए उत्कृष्ट बहादुरी, अदम्य साहस और अनुकरणीय कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

22. **श्री धर्मबीर सिंह, सब इंस्पेक्टर (जनरल ड्यूटी)**
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जुलाई, 2005)

अयोध्या में, 05 जुलाई, 2005 को लगभग 0915 बजे एक आतंकवादी गिरोह ने राम जन्म भूमि/बाबरी मस्जिद परिसर पर हमला किया। आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदी जीप का इस्तेमाल करते हुए बाहरी अवरोध को उड़ाकर सुरक्षा ज़ोन में प्रवेश किया और परिसर के भीतरी मोर्चे की तरफ बढ़े जहां श्री धर्मबीर सिंह हमले के समय मोर्चा सं. 2(ए) के कमांडर थे। उस मोर्चे पर आतंकवादियों का हमला अत्यन्त तीव्र और भीषण था। इस मोर्चे के निकट कई हथगोले पड़े जिनसे इसको नुकसान हुआ और श्री धर्मबीर सिंह घायल हो गए। अपने घाव और वैयक्तिक सुरक्षा की परवाह न करते हुए इन्होंने वहां से हटने से इन्कार कर दिया और आक्रमणकारियों के खिलाफ दृढ़ और कारगर रुख अपनाया। इन्होंने सभी आक्रमणकारियों का सफाया करने में मुख्य भूमिका निभाई। इनकी यह कार्रवाई उच्चकोटि के साहस का उदाहरण है और इन्होंने यह दिखाया कि कर्तव्य और राष्ट्र के सम्मान के लिए वे अपने जीवन को अर्पित करने के लिए तत्पर हैं।

श्री धर्मबीर सिंह ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अदम्य साहस, प्रेरक नेतृत्व और उच्चकोटि की बहादुरी का प्रदर्शन किया।

23. **आई सी-63911 लेफ्टिनेंट मनीष पाण्डेय**
20 पंजाब रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 जुलाई, 2005)

लेफ्टिनेंट मनीष पाण्डेय, उत्तरी सेक्टर के अत्यधिक उबड़-खाबड़ तथा उच्च भू-प्रदेश में आतंकवादी गिरोह का बार-बार मुकाबला करते रहे।

11 जुलाई, 2005 को, आतंकवादियों के मजबूत स्थिति में जमे होने तथा संख्या में बहुत अधिक होने के बावजूद, लेफ्टिनेंट मनीष पाण्डेय असाधारण साहस तथा दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन करते हुए उनके नजदीक आए तथा गोलीबारी की भंयकर लड़ाई करते हुए आतंकवादियों से भिड़ गए। दो दिशाओं से हो रही कारगर गोलीबारी से घबराए बिना वे

आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा दो का सफाया कर दिया । इसके बाद, इन्होंने अपने सैनिकों को पूरा दिन आतंकवादियों का पीछा करने के लिए कुशलतापूर्वक निर्देश देने तथा प्रेरित करने में अपना धैर्य बनाए रखा तथा रात तक अपने दल को प्रभावी स्थिति में ले गए ।

12 जुलाई को जब उनके दल का भाग आतंकवादियों की कारगर गोलीबारी में घिर गया तब वह अदम्य साहस तथा प्रेरक नेतृत्व के साथ बगल से आगे बढ़े तथा निकट की भयंकर भिड़ंत में दो और आतंकवादियों का सफाया कर दिया । प्रशासनिक बाध्यताओं की परवाह किए बिना उन्होंने आतंकवादियों पर दबाव बनाए रखा तथा दो और आतंकवादियों को मार गिराया । इसके बाद क्षेत्र की तलाशी के दौरान आतंकवादियों के 18 शव बरामद हुए ।

लेफ्टिनेंट मनीष पाण्डेय ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में भारतीय सेना की बेहतरीन परम्पराओं के अनुरूप अडिग साहस, अद्वितीय बहादुरी तथा नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

24. **जेसी-429076 सूबेदार सुखविन्द्र सिंह**
20 पंजाब रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 जुलाई, 2005)

घातक प्लाटून के टू आई सी सूबेदार सुखविन्द्र सिंह उच्च भू-प्रदेश के उबड़-खाबड़ क्षेत्र में एक आतंकवादी दल का पीछा कर रहे थे ।

11 जुलाई, 2005 को घातक प्लाटून, दो दिशाओं से हो रही आतंकवादियों की भारी तथा कारगर गोलीबारी से घिर गई । अदम्य आक्रामक युद्ध भावना, अडिग साहस तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल परवाह किए बिना, सूबेदार सुखविन्द्र सिंह अपने दल के भाग के रूप में बगल से आगे बढ़े जिससे आतंकवादी अचम्बित हो गए । एल एम जी से स्वयं गोलीबारी करते हुए वे आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा निकट की एक भयंकर भिड़ंत में दो का सफाया कर दिया ।

12 और 13 जुलाई, 2005 के आपरेशन में, घातक प्लाटून की संख्या कम होने तथा आतंकवादियों की कारगर गोलीबारी के बीच वे उत्कृष्ट साहस, दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन करते हुए अपने आदमियों को आतंकवादियों से भिड़े रहने के लिए प्रेरित करते रहे तथा एक और आतंकवादी का स्वयं सफाया कर दिया ।

सूबेदार सुखविन्द्र सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में अव्वल दर्जे की सैनिकोचित कुशाग्रता, कर्तव्य परायणता से भी बढ़कर उत्कृष्ट वीरता तथा नेतृत्व के गुणों का प्रदर्शन किया ।

बरुण मित्रा
निदेशक

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 2006

सकल्प

सं० 6/5/2003- ई एंड एमडीए

मध्यावधि एवं दीर्घावधि निर्यातों को सुकर बनाने की दृष्टि से और निर्यात ऋण गारंटी निगम द्वारा स्वयं पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में उसकी सीमाओं एवं ऐसे निर्यातकों के लिए पुनर्बीमा सुरक्षा की अनुपलब्धता पर विचार करते हुए; सरकार ने एक राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता स्थापित करने और एक स्कीम का प्रचालन करने का निर्णय लिया है।

स्कीम का नाम

इस स्कीम को राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (एन ई आई ए) स्कीम कहा जाएगा।

उद्देश्य

राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता स्कीम का उद्देश्य मध्यावधि एवं दीर्घावधि उच्च मूल्य वाली ऐसी परियोजनाओं, जो वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य है और राष्ट्रीय हित की दृष्टि से वांछनीय हैं, के लिए उस स्थिति में ऋण जोखिम सुरक्षा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है जहां पुनर्बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है या उसकी लागत काफी अधिक है।

संग्रह निधि का वित्त पोषण

राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते की स्थापना 2000 करोड़ की संग्रह निधि से की जाएगी, जिसमें से 246 करोड़ रुपए का अंशदान X वीं योजना के दौरान और 1754 करोड़ रुपए का अंशदान XI वीं योजना के दौरान किया जाएगा।

स्कीम की मुख्य- मुख्य विशेषताएं

(i) एन ई आई ए का रखरखाव एवं प्रचालन वाणिज्य विभाग एवं भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक सार्वजनिक न्यास द्वारा किया जाएगा।

(ii) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन गठित निर्देशन समिति (सी ओ डी) इस स्कीम के तहत परियोजनाओं को अनुमोदित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगी। सी ओ डी, एन ई आई ए निधि के उचित और प्रभावी उपयोग हेतु इसके प्रचालनों का मार्गदर्शन, पर्यवेक्षण और निगरानी भी करेगी।

(iii) स्कीम के अंतर्गत मध्यावधि एवं दीर्घावधि उच्च मूल्य वाली ऐसी परियोजनाओं को ऋण जोखिम सुरक्षा प्रदान की जाएगी, जो वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य है और राष्ट्रीय हित की दृष्टि से वांछनीय है, के लिए उस स्थिति में ऋण जोखिम सुरक्षा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है जहां पुनर्बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है या उसकी लागत काफी अधिक है।

(iv) जोखिम की विधिवत संवीक्षा और मूल्यांकन के बाद ईसीजीसी द्वारा एनईआईए एवं एनईआईए न्यास के उद्देश्यों के अनुरूप सीओडी द्वारा निर्धारित दिशा- निर्देशों का अनुपालन करने के बाद सुरक्षा हेतु प्रस्तावों की सिफारिश सीओडी के विचारार्थ करेगा।

(v) सीओडी का अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ईसीजीसी द्वारा उचित प्रपत्र में ऋण जोखिम सुरक्षा जारी कर दी जाएगी।

(vi) सीओडी उपलब्ध संग्रह निधि के 10 गुने तक अधिकतम देनदारी संबंधी सीमा सुनिश्चित करेगी। सीओडी देशों, कंपनियों और परियोजनाओं संबंधी प्रदर्शन के बारे में अधिकतम देनदारी पर आगे और सीमा भी निर्धारित कर सकती है।

(vii) ईसीजीसी निर्यातकों को ऋण जोखिम सुरक्षा प्रदान करने हेतु उचित प्रीमियम की वसूली करेगा और अनुमोदित सेवा प्रभार की कटौती करने के बाद उस राशि को एनईआईए निधि में जमा करेगा।

स्कीम के प्रचालन की अवधि

इस स्कीम का प्रचालन तुरंत शुरू हो जाएगा और यह अगले आदेशों तक प्रचालनरत रहेगी। स्कीम की समीक्षा 5 वर्ष पूर्ण होने के बाद की जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को भेजी जाए :-

1. वित्त सचिव, भारत सरकार
2. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी, मुम्बई
3. अध्यक्ष, एनईआईए न्यास

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

योगेन्द्र गर्ग
निदेशक

वस्त्र मंत्रालय
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय
नई दिल्ली-110066, दिनांक 25 जनवरी 2006

संकल्प

सं० के -16/4/98-पीएण्डआर - दिनांक 10.12.2004 के समसंख्यक संकल्प के तहत अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड दो वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित किया गया था। भारत सरकार ने पुनर्गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में श्री राघवेन्द्र गर्ग, 15/197, रतन महल, सिविल लाइंस, कानपुर (उ०प्र०) को नये गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है जबकि दिनांक 10.12.2004, 10.2.2005, 16.3.2005 और 1.4.2005 के संकल्प के अन्तर्गत गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के मौजूदा सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य वही रहेंगे।

पुनर्गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में अब अध्यक्ष, 24 सरकारी सदस्य, सदस्य सचिव और 44 गैर-सरकारी सदस्य मिलाकर बोर्ड की कुल क्षमता 69 सदस्यों की होगी।

तथापि, दिनांक 10.12.2004 के संकल्प में दर्ज अन्य सभी शर्तें वही रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को प्रेषित की जाए तथा इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अजय कुमार
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग)
अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर 2005

संकल्प

विषय:-अल्पसंख्यकों की शिक्षा हेतु एक राष्ट्रीय मॉनीटरी समिति का गठन।

सं.एफ. 9-7/2002- एम.सी.(भा.)

इस मंत्रालय के दिनांक 7 अगस्त, 2004 के समसंख्यक संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने श्री आर. घेनराज जैन के स्थान पर सुश्री सद्मा हबीब को मनोनीत करने और श्री के.के. अबू बाकर तथा बेगम रेहाना उद्रे को अल्पसंख्यकों की शिक्षा हेतु राष्ट्रीय मॉनीटरी समिति के सदस्य के रूप में समाविष्ट करने का निर्णय लिया है। अबसे इस समिति की संरचना इस प्रकार होगी:-

- | | | | |
|--------|---|---|---------|
| (i) | केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री | - | अध्यक्ष |
| (ii) | राज्य शिक्षा मंत्री, भारत सरकार | - | सदस्य |
| (iii) | शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ | - | सदस्य |
| (iv) | शिक्षा मंत्री, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम | - | सदस्य |
| (v) | शिक्षा मंत्री, असम सरकार, गुवाहाटी | - | सदस्य |
| (vi) | शिक्षा मंत्री, जम्मू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर | - | सदस्य |
| (vii) | श्री इकबाल अहमद सरडगी, संसद सदस्य(लोक सभा)
98, साउथ एवेन्यू, नई दिल्ली-110001 | - | सदस्य |
| (viii) | श्री सरताज सिंह छतवाल, संसद सदस्य(लोक सभा)
बी-601, एम0एस0 फ्लैट्स, बाबा खड़गसिंह मार्ग,
नई दिल्ली | - | सदस्य |
| (ix) | श्री एस.एस. अहलूवालिया, संसद सदस्य(राज्य सभा)
10, गुरुद्वारा रकाबगंज रोड, नई दिल्ली-110001 | - | सदस्य |
| (x) | मौलाना ओबेदुल्लाह खान आजमी, संसद सदस्य(राज्य सभा)
26, डा0 राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-110001 | - | सदस्य |
| (xi) | कुलपति, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय | - | सदस्य |
| (xii) | कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया | - | सदस्य |
| (xiii) | महासचिव, अखिल भारतीय किश्चियन उच्च शिक्षा
एशोसिएशन | - | सदस्य |

- | | | | |
|---------|--|---|-------|
| (xiv) | सचिव, अंजुमन तरक्ककी-उर्दू-ए-हिन्द | - | सदस्य |
| (xv) | सचिव, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग | - | सदस्य |
| (xvi) | सचिव (माध्यमिक शिक्षा), पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता | - | सदस्य |
| (xvii) | सचिव(प्रारंभिक शिक्षा विभाग), बिहार सरकार, पटना | - | सदस्य |
| (xviii) | सचिव (उच्चतर शिक्षा), महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई | - | सदस्य |
| (xix) | सचिव(तकनीकी शिक्षा) कर्नाटक सरकार, बंगलौर | - | सदस्य |
| (xx) | अल्पसंख्यकों के मामलों से सम्बन्धित निम्नलिखित शिक्षाविद, कार्यकर्ता तथा प्रशासक | | |

- | | | |
|----|---|-------|
| 1. | रेव. विनसेंट कोसेसो आर्क
विशप ऑफ दिल्ली
आर्क विशप हाउस,
1, अशोका प्लेस,
नई दिल्ली | सदस्य |
| 2. | श्री सैय्यद हामिद
कुलाधिपति,
जामिया हमदद विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110062 | |
| 3. | सुश्री साब्रा हबीब
ए/2, विश्वविद्यालय फलैट्स
गोखरण नाथ रोड
लखनऊ(उ०प्र०) | |
| 4. | नवाब मोहम्मद अब्दुल अली
प्रिंस ऑफ आर्कोट
“अमीर महल”
चेन्नई-600014 | |
| 5. | मौलाना शीदुल रहमान आजमी
नदवी,
प्रधानाचार्य
दारुल उलूम नदवातुल उलूम
लखनऊ | |

6. श्री सलमान खुर्शीद
अध्यक्ष,
डा० जामिर हुसैन ट्रस्ट
80, सुखदेव विहार,
मथुरा रोड
नई दिल्ली-110025
7. मौलाना अंजर शाह
कुलपति,
वक्फ दारुल उलूम विश्वविद्यालय
देवबन्द
सहारनपुर(उ०प्र०)
8. प्रो० हालीम खान
अध्यक्ष
मदरसा बोर्ड एवं सचिव इस्लामिया
करीमिया
बी-10, रवी शंकर नगर
इलाहाबाद बैंक के सामने
भोपाल(म०प्र०)
9. डा० एम० इसहाक जमखानवाला
अध्यक्ष,
अंजुमन-ए-इस्लाम
92, दादा भाई नौरोजी रोड
मुम्बई-400050
10. मौलाना मोहम्मद घाली रेहमानी नवाब
कोठी, बेलन बाजार
खानख़ाह, मुंगेर, बिहार
11. श्री पी०एम० मोहम्मद कोया पास्ट स्टेट
अध्यक्ष
मुस्लिम सर्विस सोसाइटी(एम एस एस)
पी०बी० नं० 182, छेरोटी रोड
कालीकट-673001
12. श्री दैजिल सल्दाना
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज
पो०बा० नं० 8313
दयोनार
मुम्बई-400088
13. प्रो० न्यूमान फर्नांडीज
प्रधानाचार्य
सेंट जेवियरस् कॉलेज ऑफ आर्ट्स
साईंस एण्ड कॉमर्स
मापुसा, गोवा-403507

14. श्री नायिद हामिद
महासचिव
मेयोमीन
2143, दवाई टोला
कौसीमीजान स्ट्रीट, बल्लीनारान
दिल्ली-110006
15. श्री अबीद हुसैन
237 सेक्टर 15 ए
नोएडा-201301(उ०प्र०)
16. डा० पॉल दिनाकरन
प्रो-वी०सी०
करुन्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
एण्ड साइंस
(डीम्ड यूनिवर्सिटी)
16 ग्रीनवेज रोड
चेन्नई-600028
17. डा० मोहन वर्गीज
प्रधानाचार्य
किश्चियन मेडिकल कॉलेज
लुधियाना-141008
18. प्रो० फ्रांसिस परमार
प्रधानाचार्य
सेंट जेवियर्स कॉलेज
अहमदाबाद
19. प्रो० पृथीपाल सिंह कपूर
पूर्व प्रो०-वी०सी०
गुरु नानक देव विश्वविद्यालय
सी-10 राज गुरु नगर
लुधियाना-141012
20. मौलाना कल्ब-ई सादिक
जौहरी मोहल्ला
विक्टोरिया स्ट्रीट
लखनऊ 226003
21. श्रीमती हमीदा अल्लाना
उपाध्यक्ष
आगा खां फाउंडेशन
305, मेकर भवननं०-3
21, न्यू मरीने लाइनस्
मुम्बई 400020
22. श्री जफर अली नकवी
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
208/1, कीर्ति अपार्टमेंट्स
मयूर विहार फेस-1, नई दिल्ली

23. सिस्टर एम. मारियन सी०जे०
सेंट मेरीज कॉन्वेंट
32, थार्नीहिल रोड
इलाहाबाद 211002(उ०प्र०)
24. प्रो० जसवन्त सिंह पाहुल
पूर्व प्रधानाचार्य
गुरु गोविन्द सिंह कॉमर्स कॉलेज
सी-3/18 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली
25. डा० कविता बी० सूद
निदेशक
विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एण्ड
टूरिज्म मैनेजमेंट, राजकोट, गुजरात
26. श्री फारुकी शेख
1002 ए हाईलैंड पार्क बिल्डिंग
न्यू लिंक रोड
ओशीवारा (समीप लोखंडवाला काम्पलेक्स)
अंधेरी(पश्चिम), मुम्बई 400053
27. श्री हिश्म सिद्दीकी,
संपादक
जादीद मार्कज(साप्ताहिक)
खुर्रम नगर, लखनऊ 226002
28. श्री के०के० अबूबाकर
अध्यक्ष
मुस्लिम शिक्षा सोसाईटी (पंजी०)
एम०ई०एस० कल्चरल काम्पलेक्स
कोचीन 17
29. बेगम रेहाना ए०आर० उंद्रे
बोर्ली पंचातन
रायगड (महाराष्ट्र)
-
- xxi अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा
परिषद, नई दिल्ली - सदस्य
- xxii अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई
दिल्ली - सदस्य
- xxiii अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद,
नई दिल्ली - सदस्य
- xxiv सचिव, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा
विभाग - सदस्य
- xxv सचिव, प्रारंभिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग - सदस्य
- xxvi सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग - सदस्य
- xxvii सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
मंत्रालय - सदस्य
- xxviii संयुक्त सचिव, माध्यमिक और उच्चतर
शिक्षा विभाग - सदस्य
सचिव

2. समिति के गठन से सम्बन्धित अन्य सभी निबन्धन एवं शर्तें वही रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समिति के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों को सूचनार्थ भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

केशव देसराजू
संयुक्त सचिव

पोत-परिवहन, सड़क-परिवहन और राजमार्ग-मंत्रालय
(पोत-परिवहन-विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 2006

संकल्प

संख्या ई-11013/3/2004-हिन्दी : पोत-परिवहन, सड़क-परिवहन और राजमार्ग-मंत्रालय, पोत-परिवहन-विभाग की हिन्दी-सलाहकार-समिति के गठन विषयक दिनांक 28-02-2005 के समसंख्यक संकल्प के अनुक्रम में "गैर सरकारी सदस्य" शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाती है :-

क्र० सं०	के स्थान पर	को प्रतिस्थापित किया जाए
21	श्रीमती सुखबंस कौर, संसद-सदस्य (राज्य-सभा)	श्री धर्मपाल सभ्रवाल, संसद-सदस्य (राज्य-सभा)

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति-सचिवालय, प्रधानमंत्री-कार्यालय, मंत्रिमंडल-सचिवालय, संसदीय कार्य-मंत्रालय, योजना-आयोग, लोक-सभा-सचिवालय, राज्य-सभा-सचिवालय, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, संसदीय राजभाषा-समिति और भारत-सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अजय कुमार भल्ला
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2006

No. 22 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Param Vishisht Seva Medal**" to the undermentioned personnel for distinguished service of the most exceptional order:-

1. IC-16289 LIEUTENANT GENERAL BHOPINDER SINGH, AVSM, VSM, INFANTRY
2. IC-16309 LIEUTENANT GENERAL TREVOR ALOYSIUS D'CUNHA, ARMY ORDNANCE CORPS
3. IC-16338 LIEUTENANT GENERAL VIJAY KUMAR CHOPRA, VSM*, ARTILLERY
4. IC-16650 LIEUTENANT GENERAL RANJIT SINGH, SM, ENGINEERS
5. IC-16900 LIEUTENANT GENERAL ARVIND SHARMA, AVSM, VSM, INFANTRY
6. IC-17206 LIEUTENANT GENERAL ANUP SINGH JAMWAL, AVSM*, VSM, ARTILLERY
7. IC-17210 LIEUTENANT GENERAL SRINIVASA PATTABHIRAMAN, AVSM, SM, VSM, ENGINEERS
8. IC-17214 LIEUTENANT GENERAL MANIKATH GOVINDAN GIRISH, AVSM, VSM, ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS
9. IC-17279 LIEUTENANT GENERAL CHARANJIT SINGH, AVSM, VSM, ARTILLERY
10. IC-17280 LIEUTENANT GENERAL VIR CHAND JAIN, AVSM, VSM*, ELECTRONICS & MECHANICAL ENGINEERS
11. IC-17291 LIEUTENANT GENERAL RAVINDER NATH KAPUR, AVSM*, INFANTRY
12. IC-17327 LIEUTENANT GENERAL GURDITAR SINGH, AVSM, ARMoured CORPS
13. IC-17594 LIEUTENANT GENERAL DEVRAJ SINGH, AVSM, INFANTRY
14. IC-17615 LIEUTENANT GENERAL MOHAN CHANDRA BHANDARI, AVSM*, INFANTRY
15. IC-17640 LIEUTENANT GENERAL KAMAL KRISHNA KHANNA, AVSM*, INFANTRY
16. IC-17674 LIEUTENANT GENERAL ARUN KUMAR CHOPRA, AVSM, INFANTRY
17. IC-17733 LIEUTENANT GENERAL MADAN GOPAL, AVSM*, INFANTRY

18. MR-02068 LIEUTENANT GENERAL MADAN LAL CHAWLA, VSM,
ARMY MEDICAL CORPS
19. MR-02064 LIEUTENANT GENERAL RAMJI RAI, AVSM, VSM,
ARMY MEDICAL CORPS (RETIRED)
20. VICE ADMIRAL DATLA SAI PRASAD VARMA, AVSM, VSM (50199-N)
21. VICE ADMIRAL SANGRAM SINGH BYCE, AVSM, NM, (00883-F)
22. VICE ADMIRAL ARUN KUMAR SINGH, AVSM, NM (00876-R)
23. VICE ADMIRAL VIJAY SWARUP MATHUR, AVSM, VSM, (60147-Y)
24. AIR MARSHAL AVINASH DEODATTA JOSHI, VM (10886) FLYING (PILOT)
25. AIR MARSHAL FALI HOMI MAJOR, AVSM, SC, VM (11442) FLYING (PILOT)
26. AIR MARSHAL (MRS) PADMA BANDOPADHYAY AVSM VSM (11528), MEDICAL
27. AIR MARSHAL AVDESH KUMAR SINGH, AVSM, VM, VSM (11005) FLYING (PILOT)
28. AIR MARSHAL JASPAL SINGH GUJRAL, VM, VSM (11300) FLYING (PILOT)
29. AIR MARSHAL SHARAD YESHWANT SAVUR, AVSM (10525) FLYING (PILOT)

BARUN MITRA
Director

No. 23 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Bar to Ati Vishisht Seva Medal**" to the undermentioned personnel for distinguish service of an exceptional order :-

1. IC-17565 LIEUTENANT GENERAL ADITYA SINGH, AVSM, ARMoured CORPS
2. IC-28805 LIEUTENANT GENERAL KULWANT SINGH DOGRA,
AVSM, VSM, ARMY AIR DEFENCE

BARUN MITRA
Director

No. 24 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Ati Vishisht Seva Medal**" to the undermentioned personnel for distinguished service of an exceptional order:-

1. IC-17622 LIEUTENANT GENERAL DEEPAK KAPOOR, SM, VSM, ARTILLERY
2. IC -19396 LIEUTENANT GENERAL DEEPAK HARISHCHANDRA SUMMANWAR, UYSM, VSM, INFANTRY
3. MR-02250 LIEUTENANT GENERAL MUDAKKANAVEETIL PRABHAKARAN JAIPRAKASH, ARMY MEDICAL CORPS/HQ WESTERN COMMAND
4. IC-17582 MAJOR GENERAL SUBHASH CHANDRA GOGNA, ENGINEERS
5. IC-19387 MAJOR GENERAL SHIV KUMAR JASWAL, ENGINEERS/ HQ 10 CORPS
6. IC-19478 MAJOR GENERAL GULSHAN KUMAR NISCHOL, VSM, SIGNALS/HQ MB AREA (RETD.)
7. IC-19983 MAJOR GENERAL DEEPAK ANAND, VSM, INFANTRY/HQ WESTERN COMMAND
8. IC-23292 MAJOR GENERAL DARSHANJIT SINGH GREWAL, MECHANISED INFANTRY/HQ SOUTHERN COMMAND
9. IC-23376 MAJOR GENERAL ASHOK KHOSLA, SIGNALS
- ✓ 10. IC-23431 MAJOR GENERAL BHISHAM DEV WADHWA, ELECTRONICS & MECHANICAL ENGINEERS
11. IC-23486 MAJOR GENERAL HARJOT SINGH SEHGAL, ARTILLERY
12. IC-23799 MAJOR GENERAL VIRENDRA KUMAR JAIN, ARTILLERY
13. IC-23872 MAJOR GENERAL PARAMESWARAN PILLAI RAJAGOPAL, VSM, INFANTRY/HQ 3 INFANTRY DIVISION
14. IC-24173 MAJOR GENERAL VIJAY KUMAR SINGH, YSM, INFANTRY/HQ CIF(V)
15. IC-24178 MAJOR GENERAL PRABODH CHANDRA BHARDWAJ, VrC, SC, VSM, INFANTRY
16. IC-24186 MAJOR GENERAL JAGJIT SINGH MAHIL, ARMY AIR DEFENCE/HQ SOUTHERN COMMAND

17. IC-24208 MAJOR GENERAL AMARJEET SINGH SEKHON, YSM,
INFANTRY/HQ 25 INFANTRY DIVISION
18. IC-24568 MAJOR GENERAL MAHAVIR SINGH BALHARA, KC, SM,
INFANTRY/HQ CIF(K)
19. IC-24584 MAJOR GENERAL BALJIT SINGH JASWAL, VSM,
INFANTRY/HQ 10 INFANTRY DIVISION
20. IC-24611 MAJOR GENERAL AVADHESH PRAKASH, VSM,
INFANTRY/HQ 17 MOUNTAIN DIVISION
21. IC-25066 MAJOR GENERAL ARVINDER SINGH LAMBA,
ARTILLERY/HQ 16 INFANTRY DIVISION
22. IC-25148 MAJOR GENERAL ANUKUL CHANDRA,
ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS/HQ NORTHERN COMMAND
23. IC-25156 MAJOR GENERAL JASWINDER PAL SINGH,
ARMoured CORPS/HQ 31 ARMoured DIVISION
24. IC-25213 MAJOR GENERAL MUKESH SABHARWAL, VSM,
INFANTRY/HQ 28 INFANTRY DIVISION
25. IC-25469 MAJOR GENERAL KARAN SINGH YADAVA, SM, VSM,
INFANTRY/HQ 21 MOUNTAIN DIVISION
26. IC-25647 MAJOR GENERAL BHUPINDER SINGH GHOTRA, SM, VSM,
INFANTRY/HQ IGAR(S)
27. IC-29915 MAJOR GENERAL VINOD CHOPRA,
INFANTRY/HQ 39 MOUNTAIN DIVISION
28. IC-32703 MAJOR GENERAL KRISHNA PILLAI SANKARANARAYANA PILLAI
VENUGOPAL, ELECTRONICS AND MECENICAL ENGINEERING
29. MR-02669 MAJOR GENERAL JAYAKRISHNAN JAYARAM, ARMY MEDICAL CORPS .
30. MR-03355 MAJOR GENERAL BIKASH KRUSHNA MOHANTI,
ARMY MEDICAL CORPS/HQ NORTHERN COMMAND
31. V-00292 MAJOR GENERAL BIRHAM PAL SINGH PANWAR, SM,
REMOUNT AND VETERINARY CORPS (RETD.)
32. IC-17595 MAJOR GENERAL ARUN ROYE, VSM, INFANTRY
33. IC-24753 BRIGADIER DESH DEEPAK KAPOOR, VSM, ARTILLERY
34. REAR ADMIRAL SANJEEV BHASIN, VSM, (01248-K)
35. REAR ADMIRAL ANUP SINGH, NM, (01424-K)

36. REAR ADMIRAL SANKARANNAIR BALACHANDRAN, VSM (50295-F)
37. REAR ADMIRAL SATISH SONI, NM, (01683-Z)
38. COMMODORE AJOY KUMAR PATNAIK, VSM, (01188-Z)
39. COMMODORE TADEPALLI HARI RAM, VSM, (01506-Y) (RETIRED)
40. CAPTAIN S.P.S. CHEEMA, NM, (01704-Y)
41. AIR VICE MARSHAL VINOD KUMAR VERMA VM VSM (11638) FLYING (PILOT)
42. AIR VICE MARSHAL JYOTI NARAYAN BURMA VSM (13219) ADMINISTRATION
43. AIR VICE MARSHAL NARESH VERMA, VSM (13235) ADMINISTRATION
44. AIR COMMODORE RAKESH YADAV, VSM (12809),
AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
45. AIR COMMODORE KESHAVA MURTHY RAMA SUNDARA, VSM (12833),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
46. AIR COMMODORE ROBIN CHANDRA BARUAH (13156), FLYING (PILOT)
47. AIR COMMODORE VIKAS KRISHNA RAO YAJURVEDI, VM (13248), FLYING (PILOT)
48. AIR COMMODORE RAM KRISHAN GANJOO, VSM (13362), MEDICAL
49. AIR COMMODORE LALIT KUMAR MALHOTRA, VSM (13373), FLYING (PILOT)
50. AIR COMMODORE SATISH PAL SINGH, VM (13770), FLYING (PILOT)
51. AIR COMMODORE MALVINDER SINGH AHLUWALIA (13809), FLYING (PILOT)
52. AIR COMMODORE SANJIB BORDOLOI (13912), FLYING (PILOT)

/s/ BARUN MITRA
Director

No. 25 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Bar to Vishisht Seva Medal**" to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order:-

1. IC-32482 MAJOR GENERAL JASPAUL SINGH, SM, VSM,
INTELLIGENCE/HQ INT AND FS GROUP
2. IC-25912 BRIGADIER SURESH NAIR VASUDEVAN, SM, VSM,
MARATHA LIGHT INFANTRY/ HQ NORTHERN COMMAND
3. IC-27264 BRIGADIER AVINASH CHANDER SONEJA, VSM,
JAMMU & KASHMIR RIFLES/HQ 71 SUB AREA

4. IC-34019 BRIGADIER DEEPENDRA SINGH HOODA, VSM,
4 GORKHA RIFLES/HQ 12 INFANTRY BRIGADE
5. MR-02958 BRIGADIER BRIJ MOHAN NAGPAL, VSM,
ARMY MEDICAL CORPS/ HQ 14 CORPS
6. DR-10298 BRIGADIER VIMAL ARORA, VSM
ARMY DENTAL CORPS/MILITARY DENTAL CENTRE NORTHERN COMMAND

BARUN MITRA
Director

/No. 26 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Vishisht Seva Medal**" to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order:-

1. IC-19860 MAJOR GENERAL MANDHATA SINGH, YSM, INFANTRY/HQ 16 CORPS
2. IC-23689 MAJOR GENERAL NARINDER SINGH BRAR, ARTILLERY/ HQ 14 CORPS
3. IC-25053 MAJOR GENERAL DALIP BHARDWAJ,
ARMOURED CORPS/HQ 23 INFANTRY DIVISION
4. IC-25064 MAJOR GENERAL SHREEDHARAN SHYAM KUMAR, SM,
INFANTRY/HQ IGAR (N)
5. IC-25439 MAJOR GENERAL VINAY SHARMA, SM,
INFANTRY/HQ 26 INFANTRY DIVISION
6. IC-25825 MAJOR GENERAL CHETINDER SINGH, ARMOURED CORPS
7. MR-03267 MAJOR GENERAL ANATH BONDHU CHATTOPADHYAY,
ARMY MEDICAL CORPS/COMMAND HOSPITAL(NC)
8. IC-24188 BRIGADIER SHRINIVAS KRISHNA AMBIKE, ARTILLERY (RETD.)
9. IC-25409 BRIGADIER SHUJAN GOPAL CHATTERJI, ARTILLERY/HQ 107 MTN BDE
10. IC-25478 BRIGADIER KANTAMNENI BABAYYA, ENGINEERS/BEG & CENTRE KIRKEE
11. IC-25876 BRIGADIER DAVINDER SINGH, SIGNALS
12. IC-27016 BRIGADIER WILFRED PREM DAS, ARMY ORDNANCE CORPS/HQ CICP
13. IC-30176 BRIGADIER RAGHUVINDER KAPOOR, SC,
4 GORKHA RIFLES/HQ 5 SECTOR RASHTRIYA RIFLES
14. IC-30392 BRIGADIER RAVIKIRAN PRABHAKAR DASTANE,
ARTILLERY/ HQ 121(I) BDE GROUP
15. IC 30701 BRIGADIER ABHAY TRIVIKRAM PARNAIK, ENGINEERS/ HQ 2 CORPS
16. IC-30706 BRIGADIER RANVIR YADAV, KUMAON/ HQ 52 INFANTRY BRIGADE
17. IC-30819 BRIGADIER DALJIT KUMAR JAMWAL, SIKH/HQ 56 MOUNTAIN BRIGADE

18. IC-31062 BRIGADIER SHISHIR HARI MAHAJAN,
MARATHA LIGHT INFANTRY/ HQ 11 MOUNTAIN BRIGADE
19. IC-31336 BRIGADIER JOG SUNIL SADANAND,
5 GORKHA RIFLES/HQ 104 INFANTRY BRIGADE
20. IC-32765 BRIGADIER JAGBIR SINGH GREWAL,
PUNJAB REGIMENT/HQ NORTHERN COMMAND
21. IC-33101 BRIGADIER POORAN SINGH BORA, INTELLIGENCE
22. IC-33431 BRIGADIER HARINDER PAL SINGH BEDI,
JAMMU & KASHMIR RIFLES/HQ 102 INFANTRY BRIGADE
23. IC-33765 BRIGADIER ASHOK KUMAR JOSHI,
JAG'S DEPARTMENT/HQ WESTERN COMMAND
24. IC-33903 BRIGADIER GURPAL SINGH BAL,
ARMOURED CORPS/HQ 94 ARMOURED BRIGADE
25. MR-03488 BRIGADIER SURESH CHANDRA, ARMY MEDICAL CORPS
26. MR-03661 BRIGADIER KALYAN KANTI DUTTAGUPTA,
ARMY MEDICAL CORPS/92 BASE HOSPITAL
27. DR-10290 BRIGADIER HERAMB GOVIND GARGE, ARMY DENTAL CORPS
28. SL-02693 BRIGADIER SURAJ BHAN CHAIL, GENERAL SERVICE
29. IC-30362 COLONEL AK SINGH, ENGINEERS/CE A&N ZONE
30. IC-31466 COLONEL NARAYAN MOORTHY SHANKAR,
JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY REGIMENTAL CENTRE
31. IC-31670 COLONEL RAMKRISHANAN PILLAI SATYAN, NAGA REGIMENT
32. IC-34382 COLONEL TEJ PAL SINGH WARAICH, ARMOURED CORPS/HQ ANC
33. IC-35255 COLONEL KANWAR KRISHAN BADAM, ARMY AIR DEFENCE
34. IC-35904 COLONEL SARATH CHAND, GARHWAL RIFLES
35. IC-35944 COLONEL PREM SAGAR, ARTILLERY
36. IC-37543 COLONEL DILBAG SINGH SANDHU, ARMOURED CORPS
37. IC-37553 COLONEL SUBHASISH SENGUPTA, 5 GORKHA RIFLES (FRONTIER FORCE)
38. IC-37755 COLONEL ARUL DENNIS, 1 NAGA REGIMENT
39. IC-38203 COLONEL SANJIV KUMAR ARGAL, ENGINEERS
40. IC-38711 COLONEL VINOD KUMAR, MECHANISED INFANTRY/HQ ANC

41. IC-39436 COLONEL SATINDER KUMAR SAINI, YSM, JAT REGIMENT
42. IC-40664 COLONEL SARV DEEP SINGH, ENGINEERS/HQ IDS
43. IC-40943 COLONEL RAM CHANDER CHHILLAR, SM, INTELLIGENCE
44. IC-41456 COLONEL RAKESH KUMAR ANAND, 21 SIGNAL GROUP
45. IC-41717 COLONEL PRADEEP SINGH BAINS,
1 GORKHA RIFLES/ 15 RASHTRIYA RIFLES
46. IC-41885 COLONEL U SURESH KUMAR,
PUNJAB REGIMENT/37 RASHTRIYA RIFLES
47. IC-41959 COLONEL SARBJIT SINGH DEUSI, 18 MARATHA LIGHT INFANTRY
48. IC-43295 COLONEL RAVIN KHOSLA, 5/5 GORKHA RIFLES (FRONTIER FORCE)
49. IC-43370 COLONEL JOHNSON P MATHEW, 24 PUNJAB REGIMENT
50. IC-43954 COLONEL SATISH KUMAR SANGWAN,
MADRAS REGIMENT/33 ASSAM RIFLES
51. IC-44516 COLONEL SS RANDHAWA, ARMY SERVICE CORPS
52. IC-45447 COLONEL RAGHUPATHY BALASUBRAMANIAN, JAG'S DEPARTMENT
53. MR- 03909 COLONEL LEKH RAM SHARMA,
ARMY MEDICAL CORPS/ BASE HOSPITAL DELHI CANTT
54. MR-03921 COLONEL HARIHARAPURA RAMACHANDRA ARAVINDA PRABHU,
ARMY MEDICAL CORPS/BASE HOSPITAL DELHI CANTT
55. MR- 04361 COLONEL SHALESH ROHATGI,
ARMY MEDICAL CORPS/COMMAND HOSPITAL (WC)
56. IC-40740 LIEUTENANT COLONEL BHAGAT RAM HOODA, SM, INTELLIGENCE
57. IC-42417 LIEUTENANT COLONEL TAPASH KUMAR CHATTERJEE, INTELLIGENCE
58. IC-42947 LIEUTENANT COLONEL SURESH SINGH,
ARMY ORDNANCE CORPS/HQ ANC
59. IC-45310 LIEUTENANT COLONEL VIJENDER KUMAR RATHORE, SM,
INTELLIGENCE/237 INT AND FS UNIT
60. IC-47581 LIEUTENANT COLONEL CHARAN PREET SINGH PASRICHA,
ENGINEERS/8 (I) FIELD COMPANY
61. IC-47797 LIEUTENANT COLONEL ANIL KUMAR GIRI, SIGNALS/HQ IDS
62. IC-49366 LIEUTENANT COLONEL J.S. GURAYA,
ENGINEERS/MEG & CENTRE BANGALORE

63. MR-03887 LIEUTENANT COLONEL MANJIT SINGH CHAHAL,
ARMY MEDICAL CORPS/92 BASE HOSPITAL
64. MR-03989 LIEUTENANT COLONEL DEEPAK KALRA,
ARMY MEDICAL CORPS/COMMAND HOSPITAL HQ SC
65. MR-04796 LIEUTENANT COLONEL ONKAR PRASAD GARG,
ARMY MEDICAL CORPS/92 BASE HOSPITAL
66. MR-05690 LIEUTENANT COLONEL SUBRATA BHADURI,
ARMY MEDICAL CORPS/419 FIELD AMBULANCE
67. IC-50688 MAJOR AJAI SINGH CHONKER, 111 ENGINEERS REGIMENT
68. IC-52871 MAJOR SAURABH SINGH SHEKHAWAT, SC,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCE)
69. IC-55399 MAJOR RAJESH PATTU, ARMoured CORPS/ 61 CAVALRY
70. IC-57095 MAJOR GIRISH KUMAR, 203 ENGINEER REGIMENT
71. MS-14128 MAJOR SWADHIN MENARIA, ARMY MEDICAL CORPS/MH JODHPUR
72. V-000457 MAJOR DEEP KUMAR AHLAWAT,
REMOUNT AND VETERINARY CORPS/RTS & DEPOT
73. WS- 00639 CAPTAIN SIPRA MAJUMDAR,
ENGINEERS/OFFICERS TRAINING ACADEMY
74. WS-00697 CAPTAIN ASHWINI AS PAWAR,
ARMY ORDINANCE CORPS/ORDINANCE DEPOT ALLAHABAD
75. JC-429456 SUBEDAR SURJEET SINGH, 9 PUNJAB
76. JC-459202 NAIB SUBEDAR MAHARNUR UMAJI VITHOBA,
18 MARATHA LIGHT INFANTRY
77. 9419092 HAVILDAR TOPGEY BHUTIA, 3/11 GORKHA RIFLES
78. 15571418 HAVILDAR ROBIN HANSDA, ENGINEERS/BEG & C, KIRKEE
79. 15574334 HAVILDAR GOUTAM SINGH, ENGINEERS/BEG & C, KIRKEE
80. COMMODORE JOHN ABRAHAM KURISUNKAL, (40494-F)
81. COMMODORE VINEET BAKSHI, (40612-Z)
82. COMMODORE RAMAN PRABHAT, (50456-Y)
83. COMMODORE PRAKASH SANGLIKAR, (40630-R)
84. COMMODORE VENKAT SHANKAR, (01725-W)

85. COMMODORE VIVEK SHEEL BATRA, (60290-Y)
86. COMMODORE MOHAN GIDWANI, (60307-K)
87. COMMODORE P.K.S. SRIVASTAVA, (40734-A)
88. COMMODORE K.V.R. VARIER (40417-F) (RETIRED)
89. CAPTAIN HS BHAKTA VATSALA, (70208-N)
90. CAPTAIN AJIT KUMAR P, (02275-W)
91. CAPTAIN ATUL KUMAR SINHA, (02615-T)
92. SURGEON CAPTAIN ARUN MEHTA, (79034-Y)
93. CAPTAIN (TS) ABHAY KUMAR LAMBHATE, (01850-B)
94. CAPTAIN KAMAL KUMAR UPPAL, (02091-A)
95. CAPTAIN (WHA) SURAJ BERRY, (03101-Y)
96. COMMANDER VK MADHUSOODANAN, (02963H)
97. COMMANDER (SDM) S GIRISH KUMAR, (89768-T)
98. SANT KUMAR, MCPO II CD I, 109515-Z
99. AIR COMMODORE KESAVA KURUP VIJAY KUMAR (13396), FLYING (PILOT)
100. AIR COMMODORE SAJAL KUMAR BHAUMIK (13463),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
101. GROUP CAPTAIN DINESH MUKUNDAN (13508),
ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
102. GROUP CAPTAIN PARAMASIVAN MURTHY (13679), LOGISTICS
103. GROUP CAPTAIN PRAVEEN KHANNA (13833),
AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
104. GROUP CAPTAIN VINAY KAUSHAL (14063), ACCOUNTS
105. GROUP CAPTAIN MUNIYAPPA SURYANARAYAN RAVINDRA (14139),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
106. GROUP CAPTAIN RAJIV MITAL (14167),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
107. GROUP CAPTAIN ANANT KRISHNA (14178),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

108. GROUP CAPTAIN HITESH HARIBHAI PATEL (14271), FLYING (PILOT)
109. GROUP CAPTAIN RAVI DHAR (14559), FLYING (PILOT)
110. GROUP CAPTAIN KUMAR KRISHNACHANDRASINHJI GOHIL (14688), FLYING (PILOT)
111. GROUP CAPTAIN LOV KUMAR VIG (14732), ADMINISTRATION
112. GROUP CAPTAIN SUHASKUMAR APPAJIRAO JAGDALE (14780), AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
113. GROUP CAPTAIN AJAY MASSON (14926), ADMINISTRATION
114. GROUP CAPTAIN NARENDRA BAHADUR SINGH (15635), AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
115. GROUP CAPTAIN GULSHAN RAI (15969), AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
116. GROUP CAPTAIN VIVEK, VM (16560), FLYING (PILOT)
117. GROUP CAPTAIN SANDEEP PURI (16574), FLYING (PILOT)
118. WING COMMANDER SANJEEV CHANDRA (17005), FLYING (PILOT)
119. WING COMMANDER AJIT SINGH (15864), FLYING (PILOT)
120. WING COMMANDER HARINDRA KUMAR DHIMAN (16266), ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
121. WING COMMANDER AMIT CHOWDHURY (16885), LOGISTICS
122. WING COMMANDER MAHAVEER SINGH SHEKHAWAT (17116), AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)
123. WING COMMANDER PRAMOD KUMAR SHRIVASTAVA (17283), AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
124. WING COMMANDER TARUN KUMAR SINGHA (17857), FLYING (PILOT)
125. WING COMMANDER RAVINDRA CHANDRA PANDA (18434), MEDICAL
126. WING COMMANDER DHANANJAI VISHNU WANI (18568), FLYING (PILOT)
127. SQUADRON LEADER PRAMOD KUMAR JENA (23922), ADMINISTRATION
128. 637051 MASTER WARRANT OFFICER RAMESH CHANDRA, FLIGHT SIGNALLER
129. 645470 JUNIOR WARRANT OFFICER KRUSHNA CHANDRA ROUTRAY, EQUIPMENT ASSISTANT

130. GO-01449P CHIEF ENGINEER (CIVIL) KIRAN KUMAR YALLAPPA MAHINDRAKAR
131. GO-1377W CHIEF ENGINEER (CIVIL) VELLUVA KANNOTH VENUGOPALAN
132. GO-1412N JOINT DIRECTOR (ADMINISTRATION) TK PAVITHRAN

BARUN MITRA
Director

No. 27 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Bar to Sena Medal/Army Medal**" to **JC-262167 Subedar Pritam Singh, SM, Artillery/306 Field Regiment** for the act of exceptional courage.

BARUN MITRA
Director

No. 28 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Sena Medal/Army Medal**" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. IC-44527 LIEUTENANT COLONEL ASHOK SINGH,
MADRAS/54 RASHTRIYA RIFLES
2. IC-45757 LIEUTENANT COLONEL SREE KUMAR GOPINATH KARTHA,
12 GRENADIERS
3. IC-48827 LIEUTENANT COLONEL SAMIRAN DEBNATH,
ARTILLERY/1 ASSAM RIFLES
4. IC-50709 LIEUTENANT COLONEL NEELESH BHANOT,
21 PARACHUT REGIMENT (SPECIAL FORCES)
5. IC-50783 LIEUTENANT COLONEL SATISH KADVATH,
ARMY AIR DEFENCE/38 RASHTRIYA RIFLES
6. IC 51933 MAJOR ALIN DEB SAHA, 1 PARACHUT REGIMENT (SPECIAL FORCES)
7. IC-53186 MAJOR NEERAJ BAKHSI, 6/5 GORKHA RIFLES (FRONTIER FORCE)
8. IC-54125 MAJOR JAGDEEP SINGH LAMBA,
ARMY SERVICE CORPS/ 29 RASHTRIYA RIFLES
9. IC-55341 MAJOR PRADEEP KUMAR SINGH,
ARMY AIR DEFENCE/58 RASHTRIYA RIFLES
10. IC-55943 MAJOR RAVI ANAND, ARMOURED CORPS/14 RASHTRIYA RIFLES
11. IC-55985 MAJOR SUNDEEP MADAN, DOGRA/20 RASHTRIYA RIFLES
12. IC-56396 MAJOR AMIT RATHI,
ARMOURED CORPS/53 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

13. IC-57364 MAJOR GURIQBAL SINGH GILL, GUARDS/21 RASHTRIYA RIFLES
14. IC-57662 MAJOR LAXMAN SINGH RATHORE,
ARMoured CORPS/33 ASSAM RIFLES
15. IC-57684 MAJOR KULBHUSHAN UPRETI, Vrc,
~~ARMY SERVICE CORPS/42 RASHTRIYA RIFLES~~
16. IC-58136 MAJOR RAJIV BHARGAV, ARMoured CORPS/4 ASSAM RIFLES
17. IC-58536 MAJOR SHOBHIT TIWARI, JAT/34 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
18. IC-59523 MAJOR RAJNISH KUMAR MAAHI, ARTILLERY/25 RASHTRIYA RIFLES
19. IC-59970 MAJOR ALOK SAHA, ARMY AIR DEFENCE/23 RASHTRIYA RIFLES
20. IC-60029 MAJOR SANJEEV CHAMOLA,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
21. IC-61342 MAJOR SANJAY SINGH KARKI
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
22. IC 64926 MAJOR PRASHANT KUMAR, ARTILLERY/33 ASSAM RIFLES
23. SS-38667 MAJOR SHET NISHANT SADASHIV, BIHAR/47 RASHTRIYA RIFLES
24. IC-59791 CAPTAIN VIKRAM RAINA, GARHWAL RIFLES/14 RASHTRIYA RIFLES
25. IC-60323 CAPTAIN AVNEESH SINGH, MADRAS/54 RASHTRIYA RIFLES
26. IC-61046 CAPTAIN A RAGHURAM, SIGNALS/37 RASHTRIYA RIFLES
27. IC- 62097 CAPTAIN PRAJITH P VARMA,
1 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
28. IC-62857 CAPTAIN AJAY KUMAR, ARTILLERY/306 FIELD REGIMENT
29. IC- 64071 LIEUTENANT BHUPENDER SOLANKI,
ARMY ORDINANCE CORPS/11 JAMMU & KASHMIR LIGHT INFANTRY
30. JC-478647 SUBEDAR DIGVIJAY SINGH, RAJPUT/58 RASHTRIYA RIFLES
31. JC-528896 SUBEDAR AMAR SINGH NEGI, 19 GARHWAL RIFLES
32. JC-412850 NAIB SUBEDAR NANDLAL JHAJHARIA,
9 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
33. JC-412862 NAIB SUBEDAR GANGA RAM,
1 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
34. JC-412977 NAIB SUBEDAR DARSHAN LAL,
4 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

35. JC-529461 NAIB SUBEDAR NAIN SINGH,
GARHWAL RIFLES/36 RASHTRIYA RIFLES
36. 2677784 HAVILDAR KHEENWA RAM,
GRENADIERS/29 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
37. 2678061 HAVILDAR SOHAN SINGH,
GRENADIERS/39 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
38. 2881844 HAVILDAR LAL SINGH KHICHI,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES
39. 4560794 HAVILDAR JAYANTA KUMAR MAITY, MAHAR/51 RASHTRIYA RIFLES
40. 13616189 HAVILDAR SURENDER SINGH,
4 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
41. 2589886 LANCE HAVILDAR AJITH KUMAR G, MADRAS/38 RASHTRIYA RIFLES
42. 1487875 NAIK SANJEEV KUMAR, ENGINEERS/36 RASHTRIYA RIFLES
43. 2487273 NAIK RESHAM SINGH, 28 PUNJAB
44. 3395596 NAIK RAGHUBIR SINGH, 2 SIKH (POSTHUMOUS)
45. 3991703 NAIK VICHITTER SINGH, DOGRA SCOUTS
46. 15308505 NAIK S LENIN, 651 ENGINEER PLANT UNIT (POSTHUMOUS)
47. 2689252 LANCE NAIK MEHBOOB KHAN,
GRENADIERS/29 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
48. 2690310 LANCE NAIK BALVINDER, 16 GRENADIERS
49. 2889343 LANCE NAIK BANSI LAL, RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES
50. 4074792 LANCE NAIK JAYENDRA SINGH, 10 GARHWAL RIFLES
51. 4077197 LANCE NAIK BIRENDRA SINGH,
GARHWAL RIFLES/36 RASHTRIYA RIFLES
52. 9421562 LANCE NAIK SARAN RAI, 1/11 GORKHA RIFLES
53. 14431390 LANCE NAIK DEVENDRA SINGH
ARTILLERY/6 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
54. 15612066 LANCE NAIK ASHISH KUMAR, GUARDS/21 RASHTRIYA RIFLES
55. 2491553 SEPOY RAJESH KUMAR, PUNJAB/53 RASHTRIYA RIFLES(POSTHUMOUS)
56. 2497277 SEPOY ROSHAN SINGH, PUNJAB/37 RASHTRIYA RIFLES(POSTHUMOUS)
57. 2606371 SEPOY PENLODY VIJAY KUMAR,
MADRAS/54 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

58. 2799135 SEPOY SUNDRA N,
MARATHA LIGHT INFANTRY/27 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
59. ✓ 3998802 SEPOY PREM LAL, DOGRA/20 RASHTRIYA RIFLES
- ✓ 60. 3998985 SEPOY KARTAR CHAND, 7 DOGRA REGIMENT (POSTHUMOUS)
61. 4274922 SEPOY ANGAD KUMAR PANDEY, BIHAR/47 RASHTRIYA RIFLES
62. 4570128 SEPOY BHUPENDRA SINGH, 1 MAHAR REGIMENT (POSTHUMOUS)
63. 12944072 SEPOY ABDUL JABBAR,
159 INFANTRY BATTALION (TA) DOGRA (POSTHUMOUS)
64. G/411559 RIFLEMAN JASWANT SINGH, 4 ASSAM RIFLES
65. 2897299 RIFLEMAN PUSA LAL JAT, RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES
66. 4080606 RIFLEMAN VIJAY KUMAR, 3 GARHWAL RIFLES (POSTHUMOUS)
67. 9103098 RIFLEMAN MOHD AYOUB KHAN
JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY/2 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
68. 12974095 RIFLEMAN ALTAF HUSSAIN MIR,
162 INF BN (TA) JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
69. 15564913 SAPPER MAHADEV NARAYAN YADAV, 270 ENGINEERS (POSTHUMOUS)
70. 4371248 PARATROOPER THANGJURINGIR HALAM,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
71. 13622804 PARATROOPER DALEEP KUMAR,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
72. 13625972 PARATROOPER PRASAN PRADHAN,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
73. 13624775 PARATROOPER KHAIKHO HAO,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
74. 14438090 GUNNER SANJIB GHOSH,
ARTILLERY/40 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
75. 15774757 GUNNER PRAVEEN KUMAR,
ARMY AIR DEFENCE/23 RASHTRIYA RIFLES

BARUN MITRA
Director

No. 29 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Nao Sena Medal/Navy Medal**" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. LIEUTENANT COMMANDER AMIT PANDEY, (04596-W)
2. LIEUTENANT ANUJ SHARMA, (05121-N)
3. AMILAL YADAV, MCME II, (149840-Y)

BARUNMITRA
Director

No. 30 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Vayu Sena Medal/Air Force Medal**" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. WING COMMANDER MAKARAND RANADE (18586), FLYING (PILOT)
2. WING COMMANDER RAMESH CHANDRA TRIPATHI (19383),
LOGISTICS/PARA JUMP INSTRUCTOR
3. WING COMMANDER UDAY KANT JHA (20568), FLYING (NAVIGATOR)
4. WING COMMANDER JASPREET SINGH (20977), FLYING (PILOT)
5. WING COMMANDER JOSEPH SUARES (21209), FLYING (PILOT)
6. SQUADRON LEADER SIRIGERE SHIVASHANKARAPPA CHAITHANYA (24143),
AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS) (POSTHUMOUS)
7. 727844 SERGEANT NIKKU RAM CHOUDHARY, CLERK (GENERAL DUTY)

BARUNMITRA
Director

No. 31 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Bar to Sena Medal/Army Medal**" to **IC-47643 Lieutenant Colonel Gurvinder Singh Kular, SM, 21 Parachute Regiment (Special Forces)**, for the acts of exceptional devotion to duty.

BARUNMITRA
Director

No. 32 -Pres/2006- The President is pleased to approve the award of the "**Sena Medal/Army Medal**" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:-

1. IC-24578 BRIGADIER VIJAY PRAKASH PAL SINGH GUSAIN,
GARHWAL RIFLES/HQ 44 MOUNTAIN BRIGADE
2. IC-27606 BRIGADIER AJAY KUMAR SINGH, VSM, ARMoured CORPS
3. IC-27979 BRIGADIER JATINDER SINGH BAJWA,
KUMAON/HQ 11 SECTOR RASHTRIYA RIFLES
4. IC-30094 BRIGADIER DHARMVIR SINGH AHLAWAT, VSM,
JAT/HQ 109 INFANTRY BRIGADE
5. IC-30137 BRIGADIER SUKHAJ PAL KOCHHAR, VSM, SIGNALS/HQ 10 CORPS
6. IC-30183 BRIGADIER NARINDER SINGH KAPUR,
GARHWAL RIFLES/HQ 13 SECTOR RASHTRIYA RIFLES
7. IC-30331 BRIGADIER TEJINDER SINGH HANDA, PARACHUTE REGIMENT
8. IC-30708 BRIGADIER ASHOK KUMAR CHOUDHARY, VSM,
MAHAR/HQ 10 SECTOR RASHTRIYA RIFLES
9. IC-30723 BRIGADIER ASHOK SINGH, VSM, GUARDS/HQ 323 MOUNTAIN BRIGADE
10. IC-30733 BRIGADIER SELVA KUMAR HENRY JOHNSON, VSM,
5 GORKHA RIFLES/HQ 91 INFANTRY BRIGADE
11. IC-30892 BRIGADIER YASHPAL SINGH RAWAT
8 GORKHA RIFLES/HQ 268 INFANTRY BRIGADE
12. IC-31034 BRIGADIER RAJ KUMAR SHARMA, JAT/HQ 59 MOUNTAIN BRIGADE
13. IC-31418 BRIGADIER JAMES MAYANDY DEVADOSS,
SIKH/108 MOUNTAIN BRIGADE
14. IC-32079 BRIGADIER GURJIT SINGH DHILLON,
ARMoured CORPS/TA GROUP/HQ WESTERN COMMAND
15. IC-33994 BRIGADIER JAGDEV JAGJIWAN SINGH,
JAT/HQ 4 SECTOR RASHTRIYA RIFLES

16. IC-35210 COLONEL BASANT KUMAR DHINGRA, ARMY AIR DEFENCE
17. IC-39510 COLONEL SUDHIR LANBA, ARTILLERY
18. IC-39956 COLONEL GURPAL SINGH SANGHA, VSM,
GRENADIERS/29 RASHTRIYA RIFLES
19. IC-40782 COLONEL MANDEEP SINGH MANN,
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
20. IC-41102 COLONEL JARKEN GAMLIN, 5/8 GORKHA RIFLES
21. IC-41476 COLONEL ASHOK KUMAR DHINGRA,
1 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
22. IC-41518 COLONEL DAYA CHAND, SC, DOGRA/11 RASHTRIYA RIFLES
23. IC-41999 COLONEL LAOVE VERMA, 5 PARA REGIMENT
24. IC-42339 COLONEL PRADEEP NARAYANAN, 16 JAT REGIMENT
25. IC-42899 COLONEL S BALACHANDRUDU,
ENGINEERS/HQ 760 BORDER ROAD TASK FORCE
26. IC-43113 COLONEL GURVINDER SINGH BEDI, GUARDS/14 ASSAM RIFLES
27. IC-43981 COLONEL SHARAD KAPUR, 9 RAJPUT REGIMENT
28. MR-03449 COLONEL KUNWAR KARNI SINGH, VSM,
ARMY MEDICAL CORPS/ARMY HOSPITAL (R&R)
29. IC-41880 LIEUTENANT COLONEL MAHINDRA SINGH YADAV,
ARMY AVIATION/9 (I) R&O FLIGHT
30. IC-42143 LIEUTENANT COLONEL POTHAMSETTI UDAYA BHASKAR,
ARTILLERY/HQ ANC
31. IC-49028 LIEUTENANT COLONEL SUKHWANT SINGH,
ENGINEERS/201 BOMB DISPOSAL COMPANY
32. IC-50968 LIEUTENANT COLONEL GOPINATH SRIKUMAR, INTELLIGENCE/HQ DGAR
33. MR-03668 LIEUTENANT COLONEL GOPAL DUTT SHARMA,
ARMY MEDICAL CORPS/ MILITARY HOSPITAL PATIALA
34. MR-05467 LIEUTENANT COLONEL VIBHA DUTTA,
ARMY MEDICAL CORPS/ARMY HOSPITAL(R&R)
35. IC-53761 MAJOR AMIT SRIVASTAVA, ARTILLERY/306 FIELD REGIMENT
36. IC-59698 MAJOR RAKESH KUMAR ANAND, 9 RAJPUT REGIMENT

37. SL-04372 MAJOR RAJ KUMAR GURUNG,
ARMY EDUCATION CORPS/HQ WESTERN COMMAND
38. SL-04748 CAPTAIN MAHABIR SINGH, ENGINEERS/GE(I) 866 EWS
39. IC-63374 LIEUTENANT ABHIJIT RANGRAO BHAMARE,
18 MARATHA LIGHT INFENTRY
40. 67040 HAVILDAR CHAMPA, 1 VIKAS
41. 14924356 LANCE NAIK SANTOSH RAM CHANDRA SHINDE,
4 MECHANISED INFANTRY
42. 15561559 LANCE NAIK MALI SITARAM ANANDA, 112 ENGINEER REGIMENT

BARUNMITRA

Director

————— D M.T.

No. 33 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:-

1. COMMODORE SURENDRA KUMAR KHANNA, (01455-F)
2. COMMODORE ASHOK ANANTHARAM, (50581-F)
3. COMMODORE SIVAKUMAR KALAVALLI, (01837-Z)
4. CAPTAIN KISHOR OMKAR THAKARE, (40767-A)
5. SURGEON CAPTAIN GIRISH GUPTA, (75445-R)
6. CAPTAIN C.S. MURTHY (02129-N)
7. CAPTAIN ASHOKAN THENGINAL MANNIL KOCHU, (01991-Z)
8. CAPTAIN K MURALIDHARAN NAIR, (02068-Z)
9. CAPTAIN ARVIND SINGH RANA, (02809-H)
10. COMMANDER APPUKKUTTAN NAIR VENUGOPAL, (02822-N)
11. COMMANDER ADHIR ARORA, (02847-W)
12. COMMANDER DINESH KUMAR TRIPATHI, (02904-Z)
13. COMMANDER PIYUSH GOEL, (02946-W)

BARUNMITRA

Director

No. 34 -Pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the **"Vayu Sena Medal/Air Force Medal"** to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:-

1. GROUP CAPTAIN RAVINDER KUMAR DHIR (15678), FLYING (PILOT)
2. GROUP CAPTAIN RAVINDER KUMAR SHARMA (16050), FLYING (PILOT)
3. WING COMMANDER THOTTEN RAJEEVAN (17168), FLYING (PILOT)
4. WING COMMANDER SANDEEP SINGH (17312), FLYING (PILOT)
5. WING COMMANDER RANBIR SINGH DAGAR (17844), FLYING (PILOT)
6. WING COMMANDER RADHAKRISHNAN RADHISH (17853), FLYING (PILOT)
7. WING COMMANDER PRASHANT MUKUND VITHALKAR (17855), FLYING (PILOT)
8. WING COMMANDER RAVI GOPAL KRISHNA KAPOOR (18253), FLYING (PILOT)
9. WING COMMANDER SHRIDHAR KISHORE MOHLAH (18259), FLYING (PILOT)
10. WING COMMANDER PANKAJ DUA (18266), FLYING (PILOT)
11. WING COMMANDER BALAKRISHNAN MANIKANTAN (18291), FLYING (PILOT)
12. WING COMMANDER ASHUTOSH DIXIT (18558), FLYING (PILOT)
13. WING COMMANDER SURAT SINGH (18563), FLYING (PILOT)
14. WING COMMANDER JANG VEER SINGH GURON (19879), FLYING (PILOT)
15. SQUADRON LEADER PANKAJ KATHPAL (22955), FLYING (PILOT)
16. SQUADRON LEADER SATYENDRA KUMAR (23499),
ADMINISTRATION/AIR TRAFFIC CONTROLLER
17. FLIGHT LIEUTENANT ORUGANTI SIVA NARSIMHAM (24296), ACCOUNTS
18. 622248 WARRANT OFFICER RAMACHANDRAN SOUNDARA RAJAN,
MECHANICAL TRANSPORT DRIVER/PARA JUMP INSTRUCTOR

BARUNMITRA
Director

No. 35 -pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Kirti Chakra**" to the undermentioned persons for the acts of conspicuous gallantry:-

1. JC-617223 SUBEDAR JAGAT BAHADUR GHALE
6/5 GORKHA RIFLES (FRONTIER FORCE) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **06 November 2004**)

On the night of 06 November 2004, an ambush party under the command of Subedar Jagat Bahadur Ghale was deployed near Line of Control in Northern Sector. When they detected six terrorists attempting to infiltrate, displaying bold initiative, he re-sited the ambush to engage and eliminate the terrorists. Subedar Ghale allowed the terrorists to approach as close as 15 metres before opening fire and killing two. Despite heavy retaliatory fire, he redeployed ambush to prevent escape of remaining terrorists. Subedar Ghale rallied ambush under his command to engage the retreating terrorists and in the process sustained gunshot wound on his left shoulder. Despite the injury, he continued to fire and injured the third terrorist. Unmindful of his own injury and profusely bleeding Subedar Ghale continued to lead his troops motivating them to engage and eliminate the fleeing terrorists until he was unable to do so on account of loss of blood. He was evacuated for first-aid where he succumbed to injuries.

Subedar Jagat Bahadur Ghale, thus, displayed conspicuous gallantry, selfless courage and made the supreme sacrifice in the highest traditions of the Indian Army, while fighting the terrorists.

2.

SHRI SANJEEV, SUB INSPECTOR
ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 26 December 2004)

On 26th December, 2004, Shri Sanjeev, Sub Inspector, Police of Andaman & Nicobar Islands, posted in a Police Station at Katchal Island in the Southern Group of Islands as Station House Officer, witnessed a massive earthquake followed by disastrous Tsunami which resulted in unprecedented death of thousands of persons and destruction of massive number of houses. Shri Sanjeev reached the police Station Katchal right after the earthquake and gathered all available police personnel for survey of the damage and for undertaking any required operations in the aftermath of the earthquake. He noticed abnormally receding sea and understanding the danger, alerted his staff and instructed them to rush to a nearby hill. He ran towards the Government guest-house where a large number of residents and contract workers were staying. Before he could reach the Guest House, the first Tsunami wave struck the shore. He was submerged in the tidal wave, but surfaced soon after. Risking his own life, he pulled out three labourers from the water and saved their lives. Thereafter, he saw a middle-aged woman struggling to escape from the high waters. Without any hesitation, Shri Sanjeev jumped into the water again to save the lady. Shri Sanjeev's courageous act of rescue failed when another massive Tsunami wave engulfed both of them.

Shri Sanjeev, thus, displayed exceptional bravery, commitment, devotion to duty and made the supreme sacrifice while performing his duties.

3.

SHRI RUGHA RAM
HANUMANGARH, RAJASTHAN (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **06 June 2005**)

On 6th June, 2005, at about 1245 hours, four armed dacoits entered the Punjab & Sind Bank branch at village Surewala, Distt Hanumangarh, Rajasthan. The dacoits blocked the entrance of the Bank, incapacitated the staff and customers present there and held the pistol at the Cashier. Shri Rugha Ram, the Gunman at the Bank, while coming out of the strong room noticed the dacoits and challenged them and tried to fire at them. However, two of the dacoits pounced on him and pinned him down on the floor. He, however, didn't give in and kept struggling by hitting them. The resistance put in by Shri Rugha Ram made the dacoits panicky and they tried to run away. While retreating, they tried to snatch the service gun from him. In the scuffle, the gun broke into two pieces. Another staff member also joined in and grappled with the dacoits. Seeing the stiff resistance, the dacoits hit Shri Rugha Ram continuously with the butt of the pistol. Shri Rugha Ram continued to grapple with the miscreants despite his injuries. In their attempt to get away, the dacoits fired at Shri Rugha Ram. He fell down to the bullet injuries and died. However, his exemplary courage saved the Govt. property (cash amounting to Rs.7.58 lakh), other valuables and lives of the persons present in the bank.

Shri Rugha Ram, thus, displayed exceptional courage, dogged determination and made the supreme sacrifice in fighting the dacoits.

BARUN MITRA
Director

No. 36 -pres/2006 - The President is pleased to approve the award of the "**Shaurya Chakra**" to the undermentioned persons for the acts of gallantry :-

1. **WING COMMANDER ALAGARAJA PERUMAL (17150)**
FLYING (PILOT)

(Effective date of the award : **21 May 1999**)

Wing Commander Alagaraja Perumal was tasked to undertake a vital Photo Reconnaissance mission on 21st May 1999 near the Line of Control over Dras, Kargil and Batalik sectors, with two MiG-29 aircraft as escorts.

During the mission, at about 0900 hrs, after photographing Batalik sector, he experienced a violent jolt accompanied by an uncontrolled yaw and roll. The escort aircraft reported bright flash alongwith debris flying off and smoke emanating from the rescue aircraft's starboard engine. The aircraft had been hit by a missile. Despite this grave, life threatening situation, Wing Commander Perumal maintained his cool and displaying exceptional skill and courage, he managed to exit the threat zone. One of the engines was completely lost and aircraft had suffered serious damage. Radio reception was garbled and intermittent, he could not know the extent of damage caused by the missile hit. The aircraft was behaving abnormally by yawing and rolling violently. Even in this dangerous situation, Wing Commander Perumal decided not to abandon the aircraft but retrieve the valuable equipment and above all the precious 'mission photographs' on board. He took a daring decision of recovering the crippled aircraft to the nearest airfield at Srinagar. He controlled the aircraft and kept his cool in spite of the requirement of continuous descent to

maintain speed over the hilly terrain. He displayed exceptional courage, determination and flying skill in controlling a crippled asymmetric powered aircraft for 45 minutes before executing a landing at Srinagar.

Wing Commander A. Perumal displayed gallantry and extraordinary professional courage in recovering damaged aircraft in total disregard to his personal safety.

2.

IC-54305 MAJOR HARMANDEEP SINGH BAIDWAN
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 04 December 2004)

Major Harmandeep Singh Baidwan launched a cordon and search operation in a village in District Anantnag, Jammu & Kashmir. At 1605 hours on 04 December 2004 when search was in progress, suspicious movement was observed near a mosque. Major Harmandeep Singh Baidwan immediately sealed off the area. The parties came under intense and effective fire from terrorists hiding inside the mosque. He laid concertina coils and lighting system around the mosque. Realising grave danger to own troops, Major Baidwan crawled through adjoining Nala along with small team and reached outside mosque without detection. In a flash, smoke grenade was thrown inside and rush drill executed with speed. Major Baidwan, displaying exceptional courage at his own peril, engaged a terrorist close to the window in fierce combat, killing him instantly. The other two terrorists lobbed grenades at him. Undeterred and realising danger to his buddies, he repeatedly exposed himself to danger simultaneously releasing grenades towards the terrorists. In a flash, displaying conspicuous bravery, he charged at one terrorist and sprayed a burst killing him at point blank range. The third terrorist made a desperate charge firing at him. Major Baidwan grappled with the terrorist in a dare devil hand to hand duel, snatched his weapon and shot him in a super human effort.

Major Harmandeep Singh Baidwan displayed raw courage, initiative and inspiring leadership in fighting the terrorists.

3.

4190405 RIFLEMAN RAJENDRA SINGH
KUMAON/60 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : **18 January 2005**)

On 18 January 2005, an operation was launched in a village, District Rajouri, Jammu & Kashmir. Rifleman Rajendra Singh as leading scout saw a group of terrorists approaching him through a nullah, and informed the team leader. On being tasked to let the terrorists close in without firing, the young soldier displaying extreme daring, opened fire when the terrorists were only 50 metres away killing one instantaneously. Unmindful of his personal safety he immediately jumped into the nullah under intense fire and killed another terrorist. Making excellent use of cover the soldier thereafter tracked the terrorists to a dhok where they had taken refuge. Having apprised the team leader of the situation, Rifleman Rajendra Singh held his position preventing escape of the terrorists. Realising that the intense fire prevented move of troops trying to cordon the dhok, the soldier, who was closest to the dhok, charged killing the third terrorist, later identified as the Area Commander of a dreaded outfit.

Rifleman Rajendra Singh, thus, displayed exceptional courage in fighting the terrorists, which not only led to the elimination of three hardcore terrorists but also resulted in the saving of the lives of his comrades.

4.

GS-158583N SUPERINTENDENT BUILDINGS AND ROADS GRADE-II
M BUDHA CHANDRA SINGHA (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **18 February 2005**)

On 14 February 2005, Shri M Budha Chandra Singha was detailed for Khardungla Top. During February 2005, there was unprecedented snowfall, which lashed the Leh-Ladakh for continuously 12 days. Due to heavy snowfall, snow accumulation as high as 8 to 10 feet occurred on the road and Dett Km 32, Km 39 (Khardungla Top), Dett KM 41 were cut off from each other. Shri Singha reported at KM 32 detachment (later herein mentioned as Dett) on

15 February 2005 and without resting for a minute engaged himself in snow clearance from KM 32 dett onwards. On 16 February, he worked whole day with dozers to clear the road up to Km 39. On 17 February 2005, he again lead the snow clearance effort from the front and continuously walked with dozers to clear the road up to K.Top.

Shri Singha understanding the importance of works, without minding acclimatization and his personal comforts or safety, joined Shri Sanjai Kumar in snow clearance task from KM 39 onwards. Snow clearance started at around 0730 hours on 18 February 2005 with two dozers under the supervision of Shri Singha and Shri Sanjai Kumar. Both were full of enthusiasm and they had set the target to connect Km 41 Dett by the evening. He was moving beside the D80 dozer giving directions to the operator. The weather was extremely bad, but action was rapid. All of a sudden, a heavy snow avalanche triggered down from the hilltop like a flash! It punched the dozer and rolled down to valley base taking together the dozer and others under it. Shri Singha was also entrapped within that gigantic snow slide and disappeared forever.

Shri M Budha Chandra Singha sacrificed his life showing extraordinary devotion to duty, raw courage, determination and utter disregard to his personal safety.

5. **GS-176653K SUPERINTENDENT BUILDINGS AND ROADS GRADE-II**
SANJAI KUMAR (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **18 February 2005**)

During the month of February 2005 unprecedented snowfall lashed the Leh Ladakh region for continuously 12 days. Due to this heavy snow accumulated on the road and Dett Km 32, Km 39 (K-Top), Dett Km 41 got cut off from each other. During these days whenever weather improved for limited period Shri Sanjai Kumar

took initiative to clear the snow between Km 39 towards KM 32 and Km 41. He kept on motivating the operators and other personnel deployed for snow clearance. After opening the road up to Km 39.00, next day's planning was made with the deployment of three dozers. On 18 February 2005, snow clearance started at around 0730 hrs with two dozers in the supervision of Shri Sanjai Kumar and Shri BC Singha. Both were full of enthusiasm and they had made the target to connect Km 41 Dett by the evening. Snowstorm was uninterruptedly on. Shri Sanjai Kumar kept on moving close around the dozers. Around 1200 hours third dozer was also deployed in snow clearance. At about 1530 hours, a heavy snow slide glided down from the hilltop. In a flash, it charged the dozer and snatched away to down valley taking together the men underneath. Shri Sanjai Kumar also grabbed inside that massive snow slide. Rescue attempt was launched promptly and after a great exertion, his body was retrieved.

Shri Sanjai Kumar sacrificed his life, showing raw courage, extraordinary devotion to duty and determination with utter disregard to his personal safety.

6.

GS-165523F OPERATOR EXCAVATING MACHINERY
LAXMAN SINGH (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 18 February 2005)

Operator Excavating Machinery (OEM) Laxman Singh was deployed on snow clearance operation in Leh-Chalunka road the highest motorable road that finds place in Guinness Book of World Records, for keeping the line of communication open at Khardungla Top. The road, passing through the Khardungla Pass, is of immense strategic importance as this is the lifeline for all troops deployed across Khardungla Pass leading up to base camp Siachen. Winter snow clearance operation was on in full swing. After one of the heaviest snowfalls, the road up to Khardungla Top (K -Top) KM 39 was made green by OEM Laxman Singh with the help of other

operator. The snow clearance work beyond KM 39 was taken up on 18 February 2005. In spite of low visibility and very low temperature, OEM Laxman Singh was clearing the final layer of snow in the most vulnerable portion, without caring for of his personal safety. Abruptly a massive snow slide came down from the hilltop. In a flash, it hit the dozer and dozer rolled down to valley alongwith the operator. OEM Laxman Singh died on the spot for the cause of nation.

Operator Excavating Machinery Laxman Singh showed rare devotion to duty, selflessness and courage in the face of imminent danger to life and made the supreme sacrifice in the finest traditions of the Border Roads Organisation.

7.

JC-469415 NAIB SUBEDAR HEM SINGH RAJPUT
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **28 February 2005**)

On 28 February 2005, a team led by Naib Subedar Hem Singh Rajput established contact with terrorists in an intricate triple storey building in Pulwama District in Jammu & Kashmir, where four members of his Ghatak Team were injured. Realising the danger, Naib Subedar Hem Singh Rajput entered the house repeatedly at his own peril to extricate his comrades despite being grievously injured during this act. Unmindful of personal agony, when extricating the last injured comrade, he was involved in a fierce face-to-face encounter with four terrorists. He was again hit by a volley of bullets but displaying exceptional courage, he eliminated one terrorist in a hand-to-hand duel and grievously injured other escaping terrorists before making the supreme sacrifice.

Naib Subedar Hem Singh Rajput, thus, displayed conspicuous gallantry and bravery beyond compare, concern for fellow comrades and made the supreme sacrifice in the highest traditions of the Indian Army.

8.

JC-255591 SUBEDAR LOK NATH SHARMA
ARTILLERY/7 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 03 March 2005)

On 03 March 2005, Subedar Lok Nath Sharma while leading a patrol received information from a source regarding presence of three terrorists in a village in Anantnag District, Jammu & Kashmir. He apprised his company commander and stealthily cordoned off two houses with his party.

Suddenly, one terrorist attempted to escape amidst heavy rifle and grenade firing. Unfazed by the situation, Subedar Sharma rushed forward to intercept the terrorist and shot him dead in close combat. Deploying the reinforcements with tactical acumen despite heavy firing, he pinned down a second terrorist to the first floor of the house and displaying guts of steel, crawled to a vantage position. Exhibiting skilled marksmanship, he then shot dead the second terrorist. On arrival of other columns, the JCO volunteered and led his team towards the location of the third terrorist attempting to escape towards the mosque firing indiscriminately and lobbing grenades. Realising terrorist's intentions, Subedar Sharma with utter disregard to personal safety and risks, charged forward and killed the third terrorist after a fierce fire-fight at close quarters.

Subedar Lok Nath Sharma displayed outstanding competence, tactical acumen and exemplary personal gallantry in fighting the terrorists.

9.

IC-61014 CAPTAIN SUMIT KOHLI
ARTILLERY/18 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award : 07 March 2005)

On 07 March 2005, Captain Sumit Kohli was leading a search and destroy operation in a forest in Kupwara District, Jammu & Kashmir. He was informed of the presence of an underground hideout by his leading scout. Using excellent field craft and

battle drills, the officer crawled upto the hide and confirmed presence of terrorists in the hideout. Thereafter, he tactically deployed his party to prevent the escape of terrorists from the hideout. While doing so, the terrorists noticed movement of the party and resorted to indiscriminate firing. Since Captain Sumit was closest to the hideout, he came under heavy volume of fire. He inched forward towards the hideout and brought down aimed fire neutralizing two terrorists. As he was advancing, another terrorist came running out towards him firing indiscriminately. He shot down the third terrorist at point blank range.

Captain Sumit Kohli displayed conspicuous act of gallantry, raw courage and outstanding leadership in fighting the terrorists.

10.

IC-53657 MAJOR NEELESH ANAND PAGULWAR, SM
8 ASSAM REGIMENT

(Effective date of the award : 14 April 2005)

On 14th April 2005, Major Neelesh Anand Pagulwar established cordon and went in to search with seven men at 0630 hours in the Eastern Sector. Spotting three terrorists at 0640 hours, chased them into a brick house. Terrorists opened heavy rifle and grenade fire. Displaying steady nerves under heavy fire, Major Pagulwar deployed six men to cut off escape routes and closed in to the house. After exchanging fire for fifteen minutes, he shot one terrorist dead through the window. His buddy, who was covering the door, killed one terrorist but was shot in leg. Putting himself in grave danger, Major Pagulwar evacuated him. Coming back to the door, the third terrorist lobbed a grenade which severely injured the officer in neck. He charged and killed the third terrorist before being evacuated to Hospital by helicopter.

Major Neelesh Anand Pagulwar, SM, displayed indomitable courage under grave danger to own life and inspiring leadership in fighting the terrorists.

11.

IC-54359 MAJOR KAMLESH MANIKRAO SHENDE
2 GRENADIERS

(Effective date of the award : **03 May 2005**)

Major Kamlesh Manikrao Shende was column commander of inner cordon in an operation in a village in Northern Sector. On 03 May 2005 at 2320 hours a group of five terrorists made a desperate attempt to break the cordon firing indiscriminately. Major Shende saw the terrorists and unmindful of his personal safety and under heavy fire from the terrorists, closed in with them. Showing raw courage and determination, he gunned down two of the terrorists. The remaining three hid in a house. Major Shende displaying extreme courage under terrorists' fire shifted his position with his buddy, fired a flame thrower on the house under 81 MM Mortar illumination forcing them to leave cover and charged on the three terrorists killing them on spot.

Major Kamlesh Manikrao Shende displayed conspicuous act of gallantry, unparalleled bravery, exemplary leadership and military acumen in fighting the terrorists.

12.

IC-58686 MAJOR SALMAN AHMAD KHAN
SIKH/6 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **05 May 2005**)

On 05 May 2005, Major Salman Ahmad Khan laid a well-planned ambush near a village in District Kupwara, Jammu & Kashmir and killed one terrorist while the second terrorist escaped. With the help of documents recovered from the body of terrorist, he tracked the move of escaped terrorist and generated intelligence of his presence in another nearby village. Officer immediately moved to cordon the specific house to cut all escape routes. During search operation, officer came under heavy automatic fire and suffered gunshot wound in his leg and abdomen. Despite bleeding profusely, sensing grave danger to his comrades and innocent civilians in the vicinity, he charged at the terrorist with his personal weapon and

injured him. The terrorist rushed to an outhouse. Displaying exceptional courage and presence of mind, Major Khan lobbed two hand grenades at the house, killing the terrorist who has been identified as Divisional Commander of a terrorists' outfit in North Kashmir. Major Khan was evacuated to a nearby Field Ambulance where he succumbed to injuries on 07 May 2005.

Major Salman Ahmed Khan displayed conspicuous bravery, pre-eminent valour, comradeship and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

13. **GS-159664A OPERATOR EXCAVATING MACHINERY GRADE-II**
VIKRAM SINGH (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 10 May 2005)

Operator Excavating Machinery Grade-II Vikram Singh of 166 Formation Cutting Platoon Care 55 Road Construction Company (GREF) was deployed at Shanku-Rusila-Sapila-Mulbed (SRSM) road for formation cutting works at an altitude of more than 15500 feet, which is being constructed to obviate the enemy shelling and make a safe passage to army and civil convoys which face heavy shelling from across the Line of Control on the existing Zozila-Kargil-Leh road. The snowfall during the year was the heaviest recorded in last many years in the history of Jammu & Kashmir. Due to the heavy snowfall resulting into enormous release of water, the soil had become loose, further adding to the difficulty in working. In spite of these difficulties and risk involved, OEM Vikram Singh always maintained cheerful demeanour and continued to work. On 10th May 2005, OEM Vikram Singh was deployed on his Dozer at Km 46.2 for doing formation cutting works. Knowing fully well the danger and risk to life involved in working in those conditions, he volunteered for the work, inspiring other dozer operators to do the same. At around 1310 Hrs, the dozer rolled into the valley and OEM Vikram Singh died on the spot for the cause of nation.

Operator Excavating Machinery Grade-II Vikram Singh, thus, displayed devotion to duty, courage, selflessness, determination and made the supreme sacrifice in the finest traditions of the Border Roads Organization.

14.

IC-59758 MAJOR DEEPAK KUMAR PADDA
ARMoured CORPS/14 GRENADEERS (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **23 May 2005**)

Major Deepak Kumar Padda was the commander of the team that successfully executed an operation on 23 May 2005 in general area in District Kupwara, Jammu & Kashmir.

On receipt of an information, Major Deepak rushed to the target site. Displaying acute tactical acumen, he readjusted the team positions to counter the disadvantageous terrain and himself crawled ahead to effectively engage the terrorists. In the intense fire-fight, Commander of the neighbouring team got injured. To prevent his men sustain further scathing bullets, Major Deepak charged firing on to the terrorists. Unprepared, for this kind of bravery and ferociousness, the terrorists started firing indiscriminately, hitting Major Deepak in his abdomen. Meanwhile, Commander of one of the teams sustained a fatal injury as he eliminated one of the terrorists. Unable to accept this irreparable loss, Major Deepak crawled ahead, ignoring his near fatal bullet injury and exhibiting unprecedented gumption, fatally killed the second terrorist with effective fire. Major Padda was evacuated from the site of action and later he succumbed to his injuries on 04 June 2005 in Army Hospital.

Major Deepak Kumar Padda exhibited exemplary valour, sterling leadership and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

15.

1072825 DAFADAR HARBHAJAN SINGH
ARMoured CORPS/8 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : **25 May 2005**)

On 25 May 2005 while undertaking search and destroy operations column noticed a well-concealed foxhole in General Area in District Doda, Jammu & Kashmir. Some suspicious movement was noticed inside the hideout. When entry-man tried to crawl inside to ascertain the physical presence of terrorists, grenades were fired upon by the terrorists, injuring him. Realizing his comrade

to be in great adversity Dafadar Harbhajan Singh closed onto the entrance to recover his injured comrade. He noticed one terrorist aiming at him. Moving with stealth, guile and utter disregard for personal safety, he snatched the weapon of the terrorist by holding on to the barrel in order to negate his fire and to pull out the injured comrade. In the ensuing physical battle, he eliminated the terrorist. Meanwhile another terrorist appeared and fired at him. He retaliated immediately and injured the second terrorist. Fire from the third terrorist grievously injured Dafadar Harbhajan Singh who collapsed at the entrance and attained martyrdom.

Dafadar Harbhajan Singh displayed conspicuous bravery, high degree of motivation, camaraderie and made the supreme sacrifice in fighting the terrorists.

16.

GS-166037W OPERATOR EXCAVATING MACHINERY
GRADE-II BODH RAJ

(Effective date of the award : **29 May 2005**)

Operator Excavating Machinery Grade-II Bodh Raj of 359 Road Maintenance Platoon Care 54 Road Construction Company (GREF) was deployed on BD-80 Dozer for winter snow clearance with effect from 17 May 2005 to 29 May 2005, at Khardungla Top (K-Top) on Leh-Chalunka road, a strategically vital road axis as being not only the worlds highest motorable road but also the only road communication link to Base camp of Siachen Glacier and 102 Inf Brigade Sector. During winter, nature's adversities are at its worst with heavy snowfall, wind speed and temperature ranging from 60-80 Kmph and (-) 15 degree Celsius to (-) 35 degree Celsius respectively in this road sector. Under these severe and inhospitable climatic conditions in one of the undoubtedly toughest environments, OEM Bodh Raj had with courage, determination, competence and extreme devotion to duty diligently cleared the road for vehicular traffic and ensured minimum road closure up to 29 May 2005.

During this year, unprecedented heavy snowfall occurred for the last 40 years and the whole road sector was blocked by massive snow accumulation. On 29 May 2005 while clearing the snow in the avalanche prone area between Khardungla Top and Km 41, at about 1405 Hrs an avalanche occurred and buried OEM Bodh Raj with his dozer. Despite being buried under snow for about 40 minutes, fortunately he survived. In spite of the incident, OEM Bodh Raj volunteered to carry on snow clearance without any hesitation.

Operator Excavating Machinery Grade-II Bodh Raj displayed exceptional and exemplary courage, devotion to duty and determination in clearing the snow in the avalanche prone area.

17.

2481416 HAVILDAR ASHOK KUMAR
9 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award : 01 June 2005)

Havildar Ashok Kumar, Squad Commander was tasked to conduct surveillance in general area in District Udhampur, Jammu & Kashmir. At approximately 1000 hours on 1st June 2005, he detected three terrorists who were not visible to rest of his team. Displaying very high standard of initiative and exceptional bravery, he manoeuvred his squad tactically to move close to the terrorists. He, leading from the front, shot dead one terrorist. Second terrorist opened indiscriminate fire on him. Unmindful of personal safety, displaying exceptional standard of camaraderie, he pushed his buddy out of the line of fire and shot dead second terrorist. Meanwhile, the third terrorist rushed and occupied the hideout and brought down heavy volume of effective fire on the squad. Havildar Ashok Kumar, using the undulation of the ground closed in to the hideout. Instructing his buddy to cover the mouth of hideout by fire, he himself reached top of hideout, lobbed grenade inside and physically assaulted the hideout, thus, eliminating the third terrorist.

Havildar Ashok Kumar's dynamic leadership, conspicuous gallantry, outstanding leadership and least concern for personal safety resulted in killing of three hardcore terrorists.

18. **4072135 HAVILDAR ATOL SINGH PANWAR, SM**
16 GARHWAL RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award : 18 June 2005)

On 18 June 2005, information was received about likely presence of a group of terrorists in Nalabari District of Assam. Havildar Atol Singh Panwar was part of a column which moved to the area to confirm the information. On reaching the area, the column was fired upon indiscriminately by the terrorists. Havildar Atol Singh Panwar, despite being grievously injured in the first burst of terrorists' fire, displayed exemplary fire control and restraint so as to avoid collateral damage in the area which was crowded with civilians. Displaying extreme courage under fire, he continued engaging the terrorists and shot down one terrorist at close quarters. He then engaged the second terrorist and managed to shoot him down. Havildar Atol Singh Panwar was evacuated to Base Hospital but he succumbed to his injuries enroute.

Havildar Atol Singh Panwar, despite being grievously injured, showed exemplary presence of mind, bravery and praise worthy field craft in killing two terrorists, from whom arms and ammunition were recovered, before succumbing to his injuries.

Havildar Atol Singh Panwar, SM, showed conspicuous gallantry, presence of mind and utter disregard to personal safety in the face of terrorists' fire.

19. **2789249 HAVILDAR SURVE MADHUSUDAN NARAYAN**
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award : 20 June 2005)

On 20 June 2005, Havildar Surve Madhusudan Narayan was Squad Commander of a Team tasked to raid a terrorists' camp located in Churachandpur District of Manipur.

Havildar Surve being a skilled Commando volunteered for sentry silencing. He closed on with exceptional stealth. Sentry being alert however opened fire injuring him in abdomen. Sensing danger to own troops; despite being injured, he manoeuvred his position and provided covering fire. Meanwhile, other terrorists retaliated with heavy fire on assault team and started escaping towards the jungle. Havildar Surve with utter disregard to personal safety chased the fleeing terrorists and injured one more terrorist and sustained one more gunshot. Havildar Surve despite sustaining two gunshots continued firing with fierce intent till he became unconscious due to haemorrhage. In sheer act of bravado, he killed one terrorist and inflicted injuries to fleeing terrorists. He lost his limb subsequently to his injuries.

Havildar Surve Madhusudan Narayan displayed raw courage, dogged determination, motivation and comradeship under heavy terrorists' fire.

20.

4371321 PARATROOPER THANMI MUINAO
21 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award : 20 June 2005)

On 20 June 2005, Paratrooper Thanmi Muinao was leading scout during raid on terrorist's camp in a village in District Churachandpur of Manipur. In the initial fire-fight, the team sustained two casualties. His officer tasked Paratrooper Muinao to counter ambush terrorists from flank and facilitate extrication of own casualties. Paratrooper Muinao using excellent field craft and battle drills, closed upon a terrorist maintaining utmost stealth and using local language skills lured the terrorists and killed one more terrorist in close encounter. Terrorists tried to break contact by firing. Paratrooper Muinao realizing danger to own troops, manoeuvred tactically, crawled towards the terrorist firing indiscriminately and in an act of sheer valour killed him. Despite being exhausted, he followed the fleeing terrorists with extreme courage, inflicting injuries on terrorists in close

quarter battle. While ensuring that there were no casualties on own side he personally killed three terrorists.

Paratrooper Thanmi Muinao showed valour, courage, initiative, professionalism and comradeship in fighting the terrorists.

21.

SHRI VEZOTO TINYI, ASSTT. COMMANDANT
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

(Effective date of the award : 05 July 2005)

On 5th July 2005 at about 0915 hrs, a group of terrorists attacked Ram Janam Bhumi/Babri Masjid Campus at Ayodhya. The terrorists entered the security zone by blasting the outer barricading by use of a explosive laden jeep and advanced towards the inner barricading of the complex where Asstt. Commandant Shri Vezoto Tinyi of 'D' company 33 Bn, CRPF was deployed. The attackers were advancing and firing indiscriminately, lobbying grenades and rockets. Amidst heavy firing, Shri Tinyi directed the Jawans to return the fire and hold positions. Disregarding his personal safety, he arranged evacuation of two of the Jawans injured in the heavy firing. During the course of the operation, hand grenades lobbed by the terrorists resulted in an explosion which caused the sand bags of the Morcha to collapse. In spite of the exposed position, Shri Tinyi remained undeterred and continued fighting. In a fierce gun battle lasting about one hour, all the five terrorists were gunned down.

Shri Vezoto Tinyi displayed conspicuous bravery, rare courage and exemplary devotion to duty while fighting the terrorists.

22.

SHRI DHARAMBIR SINGH, SUB INSPECTOR (GD)
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

(Effective date of the award : 05 July 2005)

On 5th July 2005 at about 0915 hours, a group of terrorists attacked Ram Janam Bhumi/Babri Masjid Complex at Ayodhya. The terrorists entered the security Zone by blasting the outer

barricading by the use of an explosive laden jeep and advanced towards inner barricading of the complex where Shri Dharambir Singh was the commander of Morcha No.2[A] at the time of attack. The terrorists' attack was most intense and fierce at that Morcha. Many of the grenades landed near this Morcha damaging it and injuring Shri Dharambir Singh. Without caring for his injury and personal safety and refusing evacuation, he made a resolute and effective stand against the attackers. He played key role in the elimination of all attackers. His action was an example of extreme courage and exhibited that he was willing to lay down his life in the line of duty and for honour of the nation.

Shri Dharambir Singh displayed raw courage, inspiring leadership and valour of the highest degree in the discharge of his duties.

23.

IC-63911 LIEUTENANT MANISH PANDEY
20 PUNJAB REGIMENT

(Effective date of the award : **11 July 2005**)

Lieutenant Manish Pandey, tracked and repeatedly engaged a terrorist group in extremely rugged high altitude terrain in Northern Sector in successive multiple contacts.

On 11th July 2005, although hopelessly outnumbered by terrorists holding dominating ground, Lieutenant Manish Pandey displayed exceptional courage and tenacity to close in and engaged the terrorists in a fierce fire-fight. Undeterred by effective fire from two directions, he charged on and personally eliminated two terrorists. He, thereafter, kept his nerve to skilfully direct and inspire his men to maintain contact throughout the day and manoeuvred his team to an advantageous position by night.

On 12th July, when part of his team was pinned down by effective terrorist fire, he with indomitable courage and inspiring leadership moved to a flank and eliminated two more terrorists in a fierce close engagement. Unmindful of

administrative constraints, he maintained pressure on the terrorists and shot two more terrorists. In the ensuing search of the area, bodies of 18 terrorists were recovered.

Lieutenant Manish Pandey displayed raw courage, singular bravery and leadership in the finest traditions of the Indian Army, in fighting the terrorists.

24.

JC-429076 SUBEDAR SUKHWINDER SINGH
20 PUNJAB REGIMENT

(Effective date of the award : 11 July 2005)

Subedar Sukhwinder Singh 2IC of Ghatak Platoon was trailing a terrorist group in a rugged high altitude terrain.

On 11 July 2005, the Ghatak Platoon was pinned down due to heavy and effective terrorist fire from two directions. Showing indomitable offensive spirit, raw courage and with utter disregard to personal safety, Subedar Sukhwinder Singh moved part of his team to a flank thus taking the terrorists by surprise. Personally firing the LMG, he charged on the terrorists and eliminated two of them in a fierce close engagement.

In the ensuing operation on 12 and 13 July 2005 in spite of Ghatak Platoon being outnumbered and under effective terrorist fire, he, displaying outstanding grit, determination and courage, continued to inspire men to maintain contact with the terrorists and personally accounted for elimination of one more terrorist.

Subedar Sukhwinder Singh displayed professional acumen, conspicuous gallantry beyond the call of duty and leadership qualities of a very high order in fighting the terrorists.

BARUN MITRA
DIRECTOR

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

New Delhi, the 7th March 2006

RESOLUTION

No. 6/5/2003-E&MDA

With a view to facilitating medium and long-term exports, and considering the limitations of Export Credit Guarantee Corporation in providing adequate cover on its own and non-availability of re-insurance cover to such exporters; the Government have decided to establish a National Export Insurance Account and operate a Scheme.

Name of the Scheme

The Scheme will be called the National Export Insurance Account (NEIA) Scheme.

Objective

The objective of the National Export Insurance Account Scheme is to ensure the availability of credit risk cover for medium and long-term high value projects which are commercially viable and desirable from the point of view of national interest where re-insurance cover is not available or its cost is very high.

Funding of the Corpus

The National Export Insurance Account will be established with a corpus of Rs. 2000 crores of which Rs. 246 crores will be contributed during the X Plan and Rs.1754 Crores will be contributed during the XI Plan.

Salient Features of the Scheme:

- (i) The NEIA shall be maintained and operated by a Public Trust, to be set up jointly by the Department of Commerce and the Export Credit Guarantee Corporation of India.
- (ii) A Committee of Directions (COD) constituted under the Ministry of Commerce & Industry is the Competent Authority to approve the projects under the Scheme. The COD will also guide, supervise and monitor the operations of the NEIA Fund for its proper and effective utilization.
- (iii) Under the Scheme, credit risk cover would be provided for such medium and long-term high value projects which are commercially viable and desirable from the point of view of national interest but where re-insurance cover is not available or its cost is very high.

(iv) After due scrutiny and assessment of risk, ECGC would recommend proposals for cover for consideration of COD, after following the guidelines laid down by the COD, in line with the objects of NEIA and the NEIA Trust.

(v) After obtaining approval of the COD, necessary credit risk cover within appropriate format will be issued by ECGC.

(vi) The COD will ensure a cap on maximum liability of upto 10 times of the available Corpus fund. The COD may also fix further caps on maximum liability with regard to exposure on Countries, Companies and projects.

(vii) The ECGC would charge appropriate premium for providing credit risk cover to exporters, and after deduction of approved service charge deposit the amount in the NEIA Fund.

Period of operation of the Scheme

The Scheme will be operational with immediate effect and will remain operational until further orders. The Scheme will be reviewed on completion of 5 Years.

Director

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to:-

1. Finance Secretary, Govt. of India
2. Chairman & Managing Director, ECGC, Mumbai
3. Chairman, NEIA Trust.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

YOGENDRA GARG
Director

MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110066, the 25th January 2006

RESOLUTION

No.K-16/4/98-P&R-The all India Handicrafts Board was reconstituted vide resolution of even No. dated 10.12.2004 for a tenure of two years. The Govt of India has also decided to induct Shri Raghvendra Garg, 15/197, Ratan Mahal, Civil Lines, Kanpur (U.P.) as new non official member in the re-constituted All India Handicraft Board while retaining all officials and non Official members of the existing All India handicraft Board constituted vide resolutions dated 10.12.2004, 10.2.2005, 16.3.2005 and 1.4.2005.

The present strength of the board shall be 69 members comprising of Chairman, 24 official members, Member Secretary and 44 Non-Official members, in the re-constituted All India Handicrafts Board.

All other terms & conditions recorded in the resolution dated 10.12.2004 will however remain same & uncharged.

ORDER

Ordered that a copy of this resolution be communicated to all concerned and that it be published on the Gazette of India.

AJAY KUMAR
Additional Development Commissioner (Handicrafts)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF SECONDARY & HIGHER EDUCATION)
MINORITY CELL

New Delhi-110 001, the 07th December 2005

Resolution

Subject: Constitution of a National Monitoring Committee for Minorities' Education

No. F. 9-7/2002-MC(L).—

In partial modification of this Ministry's Resolution of even number dated the 7th August, 2004, Government of India has decided to nominate Ms. Sabra Habib in place of Mr. R. Chenraj Jain and to add Shri K.K. Aboobacker and Begum Rehana Undre as a Member of the National Monitoring Committee for Minorities' Education. Henceforth, the composition of the Committee will be as under:-

(i) Union Minister of Human Resource Development	-	Chairman
(ii) Minister of State for Education, Government of India	-	Member
(iii) Education Minister, Government of Uttar Pradesh, Lucknow	-	Member
(iv) Education Minister, Government of Kerala, Thiruvanthapuram	-	Member
(v) Education Minister, Government of Assam, Guwahati	-	Member
(vi) Education Minister, Government of Jammu & Kashmir, Srinagar	-	Member
(vii) Shri Iqbal Ahmed Saradgi, M.P. (Lok Sabha) 98, South Avenue, New Delhi - 110 001	-	Member
(viii) Shri Sartaj Singh Chhatwal, M.P. (Lok Sabha) B-601, MS Flats, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi	-	Member
(ix) Shri S.S. Ahluwalia, M.P. (Rajya Sabha) 10, Gurudwara Rakabganj Road, New Delhi - 110 001	-	Member
(x) Maulana Obaidullah Khan Azmi, M. P. (Rajya Sabha) 26, Dr. Rajendra Prasad Road, New Delhi - 110 001	-	Member
(xi) Vice-Chancellor of Aligarh Muslim University	-	Member
(xii) Vice-Chancellor of Jamia Millia Islamia	-	Member
(xiii) General Secretary, All India Association for Christian Higher Education	-	Member
(xiv) Secretary, Anjuman Tarraqqi-Urdu-e-Hind	-	Member
(xv) Secretary, National Minorities Commission	-	Member
(xvi) Secretary (Secondary Education), Government of West Bengal, Kolkata	-	Member
(xvii) Secretary (Elementary Education), Government of Bihar, Patna	-	Member
(xviii) Secretary (Higher Education), Government of Maharashtra, Mumbai	-	Member
(xix) Secretary (Technical Education), Government of Karnataka, Bangalore	-	Member

(xx) Academics, activists and administrators connected with
Minority issues, as listed below:

Members

1. Rev. Vincent Concessao
Archbishop of Delhi
Archbishop House
1 Ashok Place
New Delhi
2. Shri Saiyid Hamid
Chancellor
Jamia Hamdard University
New Delhi – 110 062
3. Ms. Sabra Habib
A/2, University Flats,
Gokran Nath Road
Lucknow.(U.P.)
4. Nawab Mohammed Abdul Ali
Prince of Arcot
“Amir Mahal”
Chennai – 600 014
5. Maulana Sheedul Rehman Azmi Nadwi
Principal
Darul Uloom Nadwatul Uloom
Lucknow. (U.P.)
6. Shri Salman Khursheed
Chairman
Dr. Zakir Hussain Trust
80, Sukhdev Vihar
Mathura Road
New Delhi – 110 025
7. Maulana Anzar Shah
Vice-Chancellor
Waqf Darul Uloom University
Deoband
Saharanpur, (U.P.)
8. Prof. Halim Khan
Chairman,
Madrasa Board and Secretary
Islamia Karimia
B-10, Ravi Shankar Nagar
Opp. Allahabad Bank
Bhopal.(M.P.)

9. Dr. M. Ishaq Jamkhanawala
President
Anjuman-e-Islam
92, Dada Bhai Naoroji Road
Mumbai – 400 050
10. Maulana Mohd. Wali Rehmani
Nawab Kohti, Belan Bazar
Khankah, Munger, Bihar
11. Shri P. M. Mohamed Koya
Past State President
Muslim Service Society (MSS)
P.B. No. 182, Cherooty Road
Calicut – 673 001
12. Shri Denzil Saldana
Tata Institute of Social Sciences
Post Box No. 8313
Deonar
Mumbai 400 088
13. Prof. Newman Fernandes
Principal
St. Xavier's College of Arts,
Science & Commerce
Mapusa, Goa – 403507.
14. Shri Navaid Hamid
General Secretary
MOEMIN
2143, Dawai Tola
Qasimijan Street, Ballimaran
Delhi 110 006
15. Shri Abid Hussain
237 Sector 15 A
Noida 201 301(U.P.)
16. Dr. Paul Dinakaran
Pro-Chancellor
Karunya Institute of Technology & Science
(Deemed University)
16 Greenways Road
Chennai 600 028
17. Dr. Mohan Verghese
Principal
Christian Medical College
Ludhiana 141 008

18. Prof. Francis Parmar
Principal
St. Xavier's College
Ahmedabad
19. Prof. Prithipal Singh Kapur
Former Pro-VC
Guru Nanak Dev University
C-10 Raj Guru Nagar
Ludhiana 141 012
20. Maulana Kalb-I Sadiq
Jauhari Mohalla
Victoria Street
Lucknow 226 003
21. Smt. Hameeda Allana
Vice-Chairman
Aga Khan Foudnation
305, Maker Bhavan No. 3
21, New Marine Lines
Mumbai 400 020
22. Shri Zafar Ali Naqvi
Former Minister, U.P. Government
208/1, Kirti Apartments
Mayur Vihar Phase – 1
New Delhi
23. Sister M. Marian C. J.
St. Mary's Convent
32, Thornhill Road
Allahabad 211002 (U.P.)
24. Prof. Jaswant Singh Phul
Former Principal
Guru Gobind Singh Commerce College
C-3/18 Safdarjang Enclave, New Delhi
25. Dr. Kavita B. Sood
Director
Vivekanand Institute of Hotel & Tourism
Management, Rajkot, Gujarat
26. Shri Farouque Shaikh
1002 A Highland Park Building
New Link Road
Oshiwara (Near Lokhandwala Compelx)
Andheri (West), Mumbai 400 053

27. Shri Hisam Siddiqui
Editor
Jadeed Markaz (Weekly)
Khurram Nagar, Lucknow 226 002
28. Shri K. K. Aboobacker
President
Muslim Educational Society (Regd.)
M.E.S. Cultural Complex
Cochin 17
29. Begum Rehana A.R. Undre
Borli Panchatan
Raigad (Maharashtra)
- (xxi) Chairman, All India Council for Technical Education,
New Delhi - Member
- (xxii) Chairman, University Grant Commission, New Delhi - Member
- (xxiii) Chairman, National Council for Teachers' Education,
New Delhi. - Member
- (xxiv) Secretary, Department of Secondary & Higher Education - Member
- (xxv) Secretary, Department of Elementary Education and Literacy - Member
- (xxvi) Secretary, Department of Women & Child Development - Member
- (xxvii) Secretary, Ministry of Social Justice & Empowerment - Member
- (xxviii) Joint Secretary, Department of Secondary and Higher Education - Member
Secretary
2. All the other terms and conditions of constitution of the Committee will remain the same.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to the Chairman and other members of the Committee.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

KESHAV DESIRAJU
Joint Secy.

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
(DEPARTMENT OF SHIPPING)

New Delhi, the 28th February 2006

RESOLUTION

No.E-11013/3/2004-Hindi: In the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways, Department of Shipping's Resolution of even number dated the 28th Feb., 2005 regarding constitution of Hindi Salahakar Samiti, the following amendment is substituted under the heading "Non-official Members": -

S.No.	For	Be substituted
21	Smt. Sukhbans Kaur, M.P. (Rajya Sabha)	Shri Dharampal Sabharwal, M.P.(Rajya Sabha)

Ordered that a copy of this resolution be communicated to the President's Secretariat, Office of the Prime Minister, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller & Auditor General of India, Accountant General of Central Revenues, Committee of Parliament on Official Language and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

^

A. K. BHALLA
Joint Secy.